CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-312
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, रविवार 16 फरवरी 2025

महाकुंभ में फिर भीषण आग, पंडाल जले

महाकुंभी में आग की चौथी घटना, नोटों से भरे 2 बैग भी राख

नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ में 18 की मौत, 20 घायल

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले के सेक्टर 18 और 19 के बीच शनिवार शाम 6 बजे भीषण आग लग गई। श्रीराम चरित मानस सेवा प्रवचन मंडल के शिविर के पंडाल जल गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। महाकुंभ में शनिवार को 1.36 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया है। प्रयागराज मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना पर डीआईजी महाकुंभ वैभव कृष्ण ने कहा ने कहा कि आग पूरी तरह से नियंत्रण में है। यह सेक्टर 19 में कल्पवासियों द्वारा खाली किए गए कुछ पुराने टेंटों में लगी थी। किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। आग लगने की वजह का भी अभी तक पता नहीं चल सका है। मेले में जबरदस्त भीड़ की वजह से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचने में देरी हुई।

महाकुंभ में इससे पहले तीन बार हो चुकी घटनाएं

महाकुंभ में आग की यह चौथी घटना है। इससे पहले 19 जनवरी को सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में आग लगी थी, हादसे में 180 कॉटेज जल गए। इसके बाद 30 जनवरी को सेक्टर 22 में आग लगी थी, जिसमें 15 टेंट जले थे। फिर 7 फरवरी को सेक्टर-18 में आग लगी थी। यह हादसा शंकराचार्य मार्ग पर हुआ था, जिसमें 22 पंडाल जल गए।

नोटों से भरा एक बैग बचा लिया

घटना के दौरान मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि श्रीराम चरित मानस सेवा प्रवचन मंडल के शिविर में भी आग लगी। यहां से सभी लोग जा चुके थे। कुर्सी, टेंट, खाने का सामान जल गया। शिविर में नोटों के 3 बैग रखे थे, बताया जा रहा है कि एक बैग सुरक्षित रख लिया गया है। दो बैग के जलने की आशंका है।

छत्तीसगढ़ में सभी नगर निगमों पर भाजपा का कब्जा

रायपुर में रचा इतिहास, कांग्रेस का सूपड़ा साफ, खाता ही नहीं खुला

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव में 10 में से 10 नगर निगमों पर बीजेपी को ऐतिहासिक जीत मिली है। कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। कांग्रेस उम्मीदवारों की करारी हार हुई है। सभी निगमों पर अब बीजेपी का कब्जा हो गया है। रायपुर से महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने डेढ़ लाख से भी ज्यादा मतों से विजयी हुई हैं। वो अब तक नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। तीन बार की पार्षद रहीं हैं। वहीं, कोरबा नगर निगम चुनाव में भी भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है। भाजपा की महापौर प्रत्याशी संजू देवी राजपूत जीत गई हैं। सीएम विष्णुदेव साय की नगर पंचायत कुनकुरी में कांग्रेस ने जीत हासिल कर बीजेपी को चौंका दिया। यहां से कांग्रेस के अध्यक्ष पद प्रत्याशी विनयशील गुप्ता चुनाव जीते हैं। उन्होंने 81 वोटों से जीत दर्ज की है। रायपुर नगर निकाय से भाजपा की महापौर प्रत्याशी मिनल चौबे ने इतिहास रच दिया है। मीनल चौबे 1 लाख 53 हजार 290 वोटों से जीती हैं। उन्हें कुल 315835 वोट मिले हैं। मीनल चौबे ने अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है।

70 में 60 वार्डों पर बीजेपी का कब्जा रायपुर के 70 वार्डों में से 60 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी ने कब्जा किया है। वहीं सात वार्डों में कांग्रेस ने जीत हासिल की है। रायपुर के तीन वार्डों में निर्दलीय चुनाव जीते हैं। छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव में बीजेपी ने सभी 10 सीटें जीत ली हैं जबकि कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला। बीजेपी ने रायपुर, दुर्ग, रायगढ़, चिरमिरी, धमतरी, राजनांदगांव, अंबिकापुर, जगदलपुर और कोरबा में मेयर का चुनाव जीत लिया है।

आम आदमी पार्टी के तीन पार्षद भाजपा में हुए शामिल

बीजेपी कार्यालय में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिलाई बीजेपी की सदस्यता, कई लोगों के आप छोड़ने का दावा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की जबरदस्त हार हुई है। 11 साल से दिल्ली की सत्ता में बैठी केजरीवाल की पार्टी 2025 के विधानसभा चुनाव में महज 22 सीट जीत सकी है। वहीं चुनाव परिणाम आने के कुछ ही दिन के अंदर आप को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। शनिवार को आप के तीन पार्षदों ने बीजेपी का दामन थाम लिया। बीजेपी कार्यालय में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने तीनों पार्षदों को बीजेपी की सदस्यात दिलाई।

विधानसभा के बाद अब बीजेपी की एमसीडी पर नजर जिन पार्षदों ने आप का साथ छोड़ भाजपा का दामन थामा, उनमें वार्ड 145, एंड्रयूज गंज की पार्षद अनिता बसोया, आरके पुरम से पार्षद धर्मवीर और चपराना वार्ड 152 से पार्षद निखिल हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद अब बीजेपी दिल्ली नगर निगम में भी मेयर पद अपने पास लाना चाहती है। इसी को लेकर ऑपरेशन लॉटस चला रही है। बता दें कि इसी साल अप्रैल महीने में एमसीडी के मेयर का चुनाव होना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई नव निर्वाचित विधायकों की बातचीत भाजपा के साथ चल रही है।

विधासभा चुनाव से पहले भी कई विधायकों ने छोड़ा था आप का साथ वहीं दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भी लगभग 8 विधायकों ने आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ दिया था। और बीजेपी में शामिल हो गए थे। इन विधायकों की वजह से भी विधानसभा चुनाव में आप को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था।

एमपी टूरिज्म बोर्ड को प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के लिए मिला स्कॉच अवॉर्ड 2024

भोपाल। एमपी टूरिज्म बोर्ड को उसके सतत पर्यटन पहल 'प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशंस' के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि एमपी टूरिज्म बोर्ड सतत और जिम्मेदार पर्यटन के प्रति प्रतिबद्ध है। हम सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से मध्यप्रदेश को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित बनाने के सतत प्रयास कर रहे है। यह अवॉर्ड परियोजना को क्रियान्वित कर रहे सभी हितधारको और अधिकारियों का हौसला बढ़ाएगा। अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने नई दिल्ली में सिल्वर ओक हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर में 100वें स्कॉच समिट के दौरान अवार्ड ग्रहण किया। प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन की शुरुआत फरवरी 2022 में राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने पन्ना जिले से की है। इस परियोजना को कोका-कोला इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित किया गया है और इसे साहस संगठन द्वारा क्रियान्वित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य ठोस कचरा प्रबंधन, पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। यह पहल स्वच्छता, आगंतुक जागरूकता और राजस्व-साझाकरण मॉडल को सुनिश्चित करती है, जिससे स्थानीय संस्थानों को सशक्त बनाया जा सके।

भोपाल में निजी स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

तेलुगु भाषा में भेजा ई-मेल, छात्र-पालकों में मचा हड़कंप, एटीएस ने खाली कराया स्कूल

भोपाल। मप्र की राजधानी भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में स्थित हरमन माइनर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। स्कूल प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद बम डिस्पोजल स्क्वॉड और एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) की टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की गहन जांच की। पुलिस ने स्कूल की सुरक्षा बढ़ा दी है। शनिवार सुबह स्कूल के आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरा पत्र प्राप्त हुआ, जो तेलुगु भाषा में लिखा गया था। स्कूल के एक शिक्षक ने पत्र पढ़कर इसकी जानकारी प्रशासन को दी। पत्र में स्कूल की बिल्डिंग को आईईडी ब्लास्ट से उड़ाने की धमकी दी गई थी। धमकी मिलने के समय स्कूल में कुछ छात्र और उनके अभिभावक पैरेंट-टीचर मीटिंग के लिए मौजूद थे। जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, स्कूल प्रशासन ने तत्काल सभी को सुरक्षित बाहर निकाला और पुलिस को सूचित किया। पिपलानी थाना प्रभारी अनुराग लाल ने बताया कि मामले की जांच के लिए साइबर सेल को अलर्ट कर दिया गया है। ईमेल भेजने वाले का आईपी एड्रेस ट्रेस किया जा रहा है। साथ ही, भोपाल क्राइम ब्रांच और एटीएस भी अपने स्तर पर जांच कर रही हैं।

कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली स्कूल परिसर की पूरी जांच के बाद पुलिस ने पुष्टि की कि वहां कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सतर्क रहने की अपील की है।

मप्र सरकार ने इंदौर में इन्फोसिस से वापस ली 50 एकड़ जमीन

जमीन का पूरा उपयोग नहीं कर लीज की शर्तों का किया उल्लंघन

इंदौर। शहर के सुपर कॉरिडोर स्थित टिगरिया बादशाह और बांगड़दा सीमा में इन्फोसिस लिमिटेड को आवंटित जमीन में से सरकार ने 50 एकड़ वापस ले ली है। भोपाल से मिले निर्देशों के बाद इंदौर के एसडीएम और तहसीलदार ने जमीन की नपती कर प्रत्येक खसरे की विस्तृत जानकारी तैयार की है। भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 से पहले खाली जमीनों की सूची तैयार की जा रही है ताकि अन्य उद्योगों को इसका लाभ मिल सके। प्रशासन द्वारा 36 खसरों की नपती पूरी कर शासन को रिपोर्ट भेज दी गई है। सरकार प्रदेश में खाली पड़ी औद्योगिक भूमि की जानकारी सभी जिलों से एकत्र कर रही है। इसी कड़ी में इन्फोसिस इंदौर ने 20.234 हेक्टेयर (लगभग 50 एकड़) जमीन सरकार को लौटा दी है। मध्य प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उप सचिव के निर्देश के बाद जिला प्रशासन को इस जमीन की नपती कर रिपोर्ट भेजने को कहा गया था। मल्हारगंज एसडीएम निधि वर्मा ने नपती पूरी कर शासन को रिपोर्ट भेज दी है।

अन्य उद्योगों को पट्टे पर दी जा सकेगी जमीन यह जमीन लीज डीड की शर्तों के तहत वापस ली गई है, क्योंकि इन्फोसिस ने इस जमीन का पूरा उपयोग नहीं किया और लीज की शर्तों का उल्लंघन किया। अब यह भूमि अन्य उद्योगों को पट्टे पर दी जा सकेगी। कैबिनेट ने निवेश नीति 2016 की जगह नई आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023 को मंजूरी दी है। इस नई नीति के तहत निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई प्रावधान जोड़े गए हैं। सरकार का उद्देश्य आईटी और ईएसडीएम सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देना और प्रदेश को नया आईटी हब बनाना है।

इंफोसिस द्वारा छोड़ी गई जमीन में कुल 36 खसरे थे तहसीलदार शैवाल सिंह के अनुसार, इन्फोसिस द्वारा छोड़ी गई जमीन में कुल 36 खसरे थे, जिनकी नपती कर शासन को सूची भेजी जा रही है। इससे पहले भी, तत्कालीन जिला कलेक्टर मनीष सिंह ने इन्फोसिस और टीसीएस को नोटिस जारी किया था, क्योंकि दोनों कंपनियां स्थानीय उम्मीदवारों को नौकरी देने और पूरी जमीन का उपयोग करने की लीज शर्तों को पूरा नहीं कर सकी थीं। सरकार ने अब इस जमीन का बेहतर उपयोग करने के लिए नई योजनाएं बनाई हैं, जिससे अन्य उद्योगों को भी इसका लाभ मिलेगा।

महाराष्ट्र में लव जिहाद के खिलाफ कानून लाने की तैयारी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार लव जिहाद के खिलाफ कानून लाने की तैयारी कर रही है। महाराष्ट्र की भाजपा सरकार ने लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण जैसे मामलों के खिलाफ कानून बनाने के लिए 7 सदस्यीय कमेटी बनाई है। कमेटी महाराष्ट्र के डीजीपी संजय वर्मा की अध्यक्षता में बनाई गई है। देश में लव जिहाद के खिलाफ अब तक यूपी, मध्य प्रदेश समेत 9 राज्यों में कानून बन चुके हैं। पैनल में महिला एवं बाल कल्याण, अल्पसंख्यक मामले, कानून एवं न्यायपालिका, सामाजिक न्याय, विशेष सहायता और गृह जैसे प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल किए गए हैं। कमेटी जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद की मामले में शिकायतों को कैसे निपटाया जाए, यह सुझाव देगी। इसके अलावा यह दूसरे राज्यों में लागू कानूनों की स्टडी करेगी और इस आधार पर कानूनी सलाह देगी।

60 वर्ष से अधिक उम्र वालों के लिए गायन प्रतियोगिता

बुजुर्ग भी दिखा सकेंगे अपनी आवाज का दम

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में अनूठा आयोजन होने जा रहा है। संगीत पसंद करने वाले बुजुर्गों को अपनी गायकी का हुनर दिखाने मंच प्रदान किया जा रहा है। इसमें 60 साल से ज्यादा के बुजुर्ग हिस्सा ले सकेंगे।

संगीत के प्रति लगाव लगभग हर इंसान में होता है। यह वह कला है जो न उम्र देखती है, न सीमा। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि जिनके पास सुरों की अनमोल प्रतिभा होती है, उनमें से कई लोगों को अपनी कला को प्रदर्शित करने के लिए सही मंच

नहीं मिल पाता। खासकर हमारे वरिष्ठ नागरिक, जिनके अनुभव और सुरों में एक अलग गहराई होती है, अक्सर अपनी इस प्रतिभा को दबाए रखते हैं। इस कमी को दूर करने और वरिष्ठ नागरिकों की संगीत प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से आनंदम सीनियर सिटीजन सेंटर, इंदौर की अनूठी गायन प्रतियोगिता 'वॉइस ऑफ सीनियर्स-7' इस वर्ष फिर से सुरों की गूंज को हर दिल तक पहुंचाने का काम करेगी।

संस्था अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरुष और महिला दोनों भाग ले सकते हैं। सबसे खास बात यह है कि इस आयोजन के लिए आवेदन इस बार पूरे भारतवर्ष से आमंत्रित किए जा रहे हैं। पिछले वर्ष इस प्रतियोगिता में लगभग 300 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया था, और इस बार इसका दायरा और भी बड़ा होने की उम्मीद है।

प्रतियोगिता का हिस्सा बनने के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 12 फरवरी से शुरू हो रही है, जिसकी अंतिम तारीख 20 फरवरी रखी गई है। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। इच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं। वॉट्सएप के जरिए 7805985935 पर भी ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है। ऑफलाइन फॉर्म्स आनंदम के ऑफिस स्कीम नंबर 78 से प्राप्त किए जा सकते हैं। इस प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार भी तय किए गए हैं। प्रथम विजेता को 51,000 रुपए और द्वितीय विजेता को 21,000 रुपए के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

युवक की आत्महत्या का मामला, परिजन ने लगाया था जहर खिलाकर हत्या का आरोप

युवक की आत्महत्या में नगर परिषद अध्यक्ष का पति गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देपालपुर नगर परिषद अध्यक्ष पति महेशपुरी गोस्वामी और उनके बेटे सहित आठ लोगों पर युवक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी तनाव देखा गया, वहीं परिजनों की मांग पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बेटमा थाना क्षेत्र के निवासी राजेश चौहान की कुछ दिनों पहले जहर खाने से मौत हो गई थी। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हुआ, लेकिन परिजनों ने इसे हत्या करार देते हुए थाना घेराव किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजेश को जहर खिलाकर उसकी जान ली गई है। जांच के दौरान पुलिस को एक अहम सुराग मिला। राजेश का आखिरी वीडियो, जिसमें उसने स्पष्ट रूप से बताया कि वह कुछ लोगों की प्रताड़ना से परेशान था और इसी वजह से उसने आत्मघाती कदम उठाया। इस साक्ष्य के सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए आरोपियों के खिलाफ हत्या के लिए उकसाने की धारा में केस दर्ज किया। बेटमा पुलिस ने इस मामले में देपालपुर नगर परिषद अध्यक्ष पति महेशपुरी गोस्वामी, उनके बेटे उदयपुरी गोस्वामी, अशोक चौहान, छीतरसिंह पटेल, मुकेश पटेल, शुभम पटेल, ममता बाई और सुनीता बाई के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

अब तक सिर्फ एक आरोपी की गिरफ्तारी

मुख्य आरोपी महेशपुरी गोस्वामी को चिकलौंडा फाटे से गिरफ्तार कर लिया गया और उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से

जेल वारंट जारी होने के बाद उसे तकीपुरा जेल भेज दिया गया। इस मामले में अब तक सिर्फ एक आरोपी की गिरफ्तारी हुई है, जबकि सात आरोपी फरार हैं। पुलिस लगातार उनकी तलाश में दबिश दे रही है।

बढ़ सकती है आरोपियों की संख्या

बेटमा थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि अब तक आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है, लेकिन जांच अभी जारी है। आरोपियों की संख्या बढ़ भी सकती है। आईजी अनुराग ने सख्त लहजे में कहा कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस जल्द ही सभी फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी। घटना के बाद बेटमा और देपालपुर क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

परिजन बोले- हम न्याय चाहते हैं

राजेश चौहान के परिजनों ने प्रशासन से सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त सजा दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि हम न्याय चाहते हैं, ऐसे लोगों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई और इस तरह की प्रताड़ना का शिकार न हो। यह मामला अब राजनीतिक रूप से भी तूल पकड़ने लगा है। कई सामाजिक संगठनों ने इस घटना की निंदा की है और आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन भी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और जल्द ही सभी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही जा रही है। बेटमा की यह घटना सामाजिक और कानूनी दोनों ही दृष्टि से गंभीर मामला बन चुकी है। पुलिस, न्यायालय और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

सांवेर के पास पुरानी पुलिया चौड़ी करने के लिए लगाए शेड

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर से उज्जैन के बीच 50 किलोमीटर लंबाई में छह लेन सड़क का काम शुरू हो चुका है। अब इंदौर शहर की सीमा में भी छह लेन के हिसाब से सड़क के बेस के लिए काम चल रहा है। सांवेर के समीप पुरानी पुलिया को भी चौड़ा करने के लिए शेड लगा दिए गए है।

ज्यादातर काम सड़क निर्माण कंपनी रात के समय कर रही है,क्योकि तब ट्रैफिक कम रहता है। इंदौर में अरविंदो अस्साल से सड़क बनेगी,क्योकि यहां तक छह लेन ब्रिज की भुजा उतरेगी। छह लेन सड़क बनने के बाद 50 किलोमीटर की दूरी 40 से 50 मिनट में तय हो जाएगी। फोरलेन को छह लेन करने में सरकार को ज्यादा परेशानी नहीं आएगी,क्योकि दस साल पहले जब सड़क फोरलेन की गई थी। तब छह लेन के हिसाब से जमीन का अधिगृहण कर लिया था। चार गांवों में बाधक निमार्णों को तोड़ा जाएगा। यह सड़क उज्जैन में महाकाल गेट तक बनेगी। फिलहाल सांवेर,रिंगनोद, निनौरा में काम तेजी से चल रहा है।

उज्जैन की सीमा पर भी फोरलेन के दोनो तरफ एक-एक लेन के लिए खुदाई कर जमीन को समतल किया जा रहा है। यहां मुंरम भी बिछाई जा रही है।

तीन बड़े ब्रिज और छह अंडरपास बनाए जाएंगे

इस सड़क के निर्माण पर डेढ़ हजार करोड़ रुपये सरकार खर्च कर रही है। इस मार्ग पर तीन बड़े ब्रिज और छह अंडरपास बनाए जाएंगे। चार माह पहले राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन किया था। इस प्रोजेक्ट का निर्माण वर्ष 2028 में होगा। उसके बाद उज्जैन में सिंहस्थ मेला लगेगा। तब इंदौर से उज्जैन के लिए एक लाख से अधिक वाहनों की आवाजाही होगी। उस ट्रैफिक के लिए छह लेन सड़क मददगार साबित होगी। अभी इंदौर से उज्जैन के बीच 25 हजार वाहनों की आवाजाही होती है। इस सड़क के अलावा पीडब्लूडी हातोद, चंद्रवतीगंज से उज्जैन तक फोरलेन सड़क बनाएगा। यह सड़क चिंतामण गणेश मंदिर तक बनेगी। उसके निर्माण से उज्जैन के लिए एक और रुट मिल जाएगा। देवास से भी उज्जैन के बीच भी सड़क को फोरलेन किया जा रहा है।

इंदौर पुलिस का कारनामा...

एसआई के हमलावरों के हाथ में बांधा नकली पट्टा, मेडिकल जांच में निकले फिट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में एसआई टी. इक्का के हमलावरों ने पुलिस की पोल खोल दी। अफसरों की सख्ती की बात झूठ निकली। जिन आरोपितों के हाथ में पट्टा बांधा, वे तंदुरुस्त निकले। अब अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने जांच बैठा दी है। हमलावरों का टीआई सियारामसिंह गुर्जर ने जुलूस निकाला था। बाणगंगा थाना अंतर्गत भौंरासला पुलिस चौकी पर पदस्थ एसआई टी. इक्का पर विकास डाबी, अरविंद, रवि और विकास ने 5 फरवरी को हमला कर दिया था। शराब के नशे में धुत आरोपितों ने एसआई को नकली पुलिस बताया और वसूली का आरोप लगाते हुए मारपीट कर दी। पुलिस ने विकास और रवि को पकड़कर जुलूस निकाला और दावा किया कि आरोपित पुलिस को चकमा देने के चक्कर में घायल हो गए।

आरोपितों के हाथ-पैर में पट्टा चढ़ा था और दोनों लंगड़ाते हुए चल रहे थे, लेकिन सेंट्रल जेल पहुंचे तो मेडिकल जांच में स्वस्थ निकले। अफसरों ने बताया न उनके हाथ में पट्टा है, न चोट के

निशान।

पट्टा और प्लास्टर गंभीर अपराधों में लिप्त अपराधियों के हाथ-पैरों में ही नजर आता है। अपराधी वारदात कर फरार हो जाते हैं और पुलिस से बचने के चक्कर में खुद को जख्मी कर लेते हैं। एसआई से मारपीट का वीडियो प्रसारित होने पर पुलिस की किरकिरी हुई थी। अफसरों की नाराजगी के बाद आरोपितों का क्षेत्र में जुलूस निकाला गया। उनके हाथ-पैर में भी पट्टा चढ़ा था।

इंदौर में दर्दनाक सड़क हादसा, कुंभ स्नान को निकले श्रद्धालु की मौत, कई घायल

सिटी चीफ इंदौर।

गुजरात से प्रयागराज कुंभ स्नान के लिए निकले दो परिवारों के साथ हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 11 लोग गंभीर घायल हो गए। इंदौर की सीमा में उनके टेम्पो ट्रेवलर को गलत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसा नावदापंथ इलाके के पास हुआ, जब अहमदाबाद के दो परिवार टेम्पो ट्रेवलर में सवार होकर प्रयागराज कुंभ स्नान के लिए रवाना हुए थे। तभी अचानक एक ट्रक जो गलत दिशा से आ रहा था, सीधे उनके वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेवलर का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे में अहमदाबाद निवासी 39 वर्षीय जयकिशन पिता तरुणभाई की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य यात्रियों को चोटें आई हैं।

2 परिवार को 14 लोग थे सवार

जयकिशन अडानी इंटरप्राइजेस, अहमदाबाद में नौकरी करता था। टेम्पो ट्रेवलर में दो परिवारों के कुल 14 यात्री सवार थे, जिनमें से कई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही चंदन नगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

इंदौर की मनाली मोहिते को महाराष्ट्र में मिला कथक नृत्य अलंकार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर निवासी मनाली मोहिते को कथक नृत्य अलंकार से नवाजा गया है। आयोजन महाराष्ट्र के गंर्धव मंडल ने किया था। मनाली पांच वर्ष की उम्र से कथक नृत्य सिख रही है। उन्होंने कथक की शुरूआती तालीम इंदौर में रंजना ठाकुर से ली फिर मुंबई ठाणे में मंजरी देव से कथक सिखा और डिग्री भी ली। मनाली फिलहाल ठाणे में कथक की क्लासेस चलाती है और सड़कों के बच्चों को कथक सिखा रही हैं। अब उन्हें कथक नृत्य अलंकार मिला। उनका कहना है कि अभी इस विधा में और सीखना है। शादी के बाद नई जिम्मेदारी चुनौतियां सामने थी, लेकिन पति और सुसराल का साथ मिला। इस कारण यह संभव हो पाया। मनाली इंदौर में भी कथक के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीत चुकी है और कई बड़े आयोजनों में भी हिस्सा ले चुकी है।

इंदौर से बेंगलुरु के लिए यात्रियों को सुबह से रात तक मिलेगी फ्लाइट्स

सिटी चीफ इंदौर।

भारत के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर से आईटी की राजधानी के रूप में प्रसिद्ध बेंगलुरु के बीच हवाई कनेक्टिविटी बेहतर होने जा रही है। रविवार से इंडिगो कंपनी ने उड़ान शुरू की है।

इसके शुरू होने से सुबह से लेकर रात्रि तक नियमित अंतराल पर बेंगलुरु जाने के लिए यात्रियों को उड़ानों की सुविधा मिलने लगेगी। देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से विमान कंपनियों द्वारा नए सेक्टर को जोड़ने के अलावा पुराने सेक्टर में भी उड़ानों की संख्या बढ़ाई जा रही है। विमान कंपनी इंडिगो रविवार से सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार व रविवार को बेंगलुरु के लिए उड़ान शुरू करने जा रही है। यह उड़ान 6ई 2763 सुबह 9.05 इंदौर से रवाना होकर 11.15 बजे बेंगलुरु पहुंचेगी। वापसी में 6ई 2764 उड़ान दोपहर 12 बजे बेंगलुरु से रवाना होकर दोपहर 2.05 बजे इंदौर आएगी।

ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन का कहना है कि बेंगलुरु के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ने से यात्रियों को फायदा होगा। दोनों शहरों में आईटी कंपनियों में काम करने वाले लोगों को उड़ानें बढ़ने से सबसे बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। वहीं बेंगलुरु

जाकर विदेश जाने वाले यात्रियों को भी कनेक्टिंग का अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

मार्च से सुबह हो जाएंगी तीन उड़ानें

इंडिगो की उड़ान शुरू होने से इंदौर से बेंगलुरु जाने के लिए सप्ताह में तीन दिन सुबह दो उड़ानें संचालित होंगी। यह उड़ान सुबह 6.05 बजे और 9.10 बजे इंदौर से रवाना होगी। वहीं दोपहर में दो उड़ानें 3.30 और 3.50 बजे और रात्रि में नौ बजे एक उड़ान बेंगलुरु के लिए संचालित होगी।

रविवार से इंदौर से बेंगलुरु के बीच कुल पांच उड़ानें हो जाएंगी। वहीं 10 मार्च से एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी बेंगलुरु के लिए अपनी दूसरी उड़ान शुरू करने की घोषणा कर दी है और इसकी बुकिंग भी शुरू की जा चुकी है। यह उड़ान इंदौर से सुबह 11.15 बजे रवाना होगी।

रात में रनवे सुधार का कार्य

इंदौर एयरपोर्ट पर दस साल बाद 2754 मीटर रनवे पर नई डामर बिछाने का कार्य चल रहा है।

शनिवार से काम शुरू किया गया। इसके लिए रात 12 से सुबह 6 बजे तक उड़ानों का संचालन बंद है। एक साल चलने वाला यह काम पहले जनवरी से शुरू होना था, लेकिन अब फरवरी से शुरू किया गया है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले वन विहार में छोड़े एशियाटिक लॉयन

गुजरात से आए शेर के जोड़े का दीदार करेंगे दुनियाभर के मेहमान

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। राजधानी भोपाल में 24 और 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) से पहले विश्वर भर से आ रहे उद्योगपति मेहमानों को लुभाने से लिए राजधानी भोपाल को तैयार किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को सुबह एशियाटिक लॉयन के जोड़े वन विहार छोड़ दिए गए हैं। देसी-विदेशी मेहमान अब भोपाल में एशियाटिक सिंह भी देख सकेंगे। हाउस से बाड़े में जाते ही सिंह का यह जोड़ा मस्ती करने लगा। दोनों को एक ही बाड़े में छोड़ा गया है। यह जोड़ा गुजरात के जूनागढ़ से दिसंबर में लाया गया था। नर सिंह का नाम जूना और मादा सिंह का नाम गिरी है। लॉयन के इन जोड़ों को 21 दिन की क्वारंटाइन अवधि के लिए हाउस में रखा गया था। क्वारेंटाइन की अवधि तीन गुना हो गई थी। दोनों ही सिंह पूर्णतः स्वस्थ्य हैं। इसलिए उन्हें अब बाड़े में छोड़ा गया है। अब टूरिस्ट इनके दीदार कर सकते हैं। वन विहार नेशनल पार्क में लोग शनिवार से ही एशियाई शेरों के दीदार करना शुरू कर दिया है। पहले दिन पिंजरा खुलते ही शेरों ने अपने बाड़े में छलांग लगा दी थी। हालांकि, पहले वे थोड़े डरे-सहमे नजर आए थे लेकिन फिर इधर-उधर मंडराने लगे। खाने के लिए उन्हें मीट भी दिया गया। इसके बाद वे माहौल में ढल गए हैं।

पांच दिन एक हजार किलों मीटर का किया था सफर

वन विहार के डायरेक्टर अवधेश मीना ने बताया कि वन विहार का 9 सदस्यीय दल 17 दिसंबर को जूनागढ़ के सक्करबाग चिड़ियाघर में शेर को लेने पहुंचे थे, शियाई शेरों का जोड़ा 21 दिसंबर को भोपाल लाया गया था। 5 दिन में 1000 किमी का सफर तय किया था।

इसके बाद इन्हें 21 दिन तक क्वारेंटाइन रखा गया था। 11 जनवरी को यह अवधि पूरी हो गई। हालांकि, उनकी सेहत को देखते हुए इन्हें ज्यादा समय तक यहां रखा गया। करीब पौने दो महीने के बाद इन्हें अब बाड़े में छोड़ा गया है। नर और मादा शेर की उम्र करीब 3 साल है।

चार साल के शेरों का जोड़ा दिया

राजधानी स्थित वन विहार में अभी तक 3 शेर थे। जिनमें सत्या, गंगा और नदी शामिल हैं। नंदी और सत्या नंदन कानन चिड़ियाघर से लाए गए थे। अब 2 लॉयन और आ गए। इसके बाद यहां 2 नर और 3 मादा शेर हो गई हैं। गुजरात ने वन विहार नेशनल पार्क की बात 16 साल बाद मानी और चार साल के शेरों का जोड़ा दिया। इसके बदले में बांधवगढ़ नेशनल पार्क से लाए गए बाघ बी-2 और बाघिन बंदनी सक्करबाग चिड़ियाघर भेजे हैं।

सागर में तीन और भोपाल में एक चौकीदार की कर दी थी हत्या की थी

चार चौकीकारों की हत्या करने वाले सीरियर किलर को उम्र कैद

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। चौकीदारों की हत्या करने वाले सीरियल किलर को भोपाल जिला अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। सीरियल किलर सागर का रहने वाला है। उसने तीन चौकीदारों की सागर के अलग-अलग स्थानों पर हत्या करने के बाद भोपाल के खजूरी थाना क्षेत्र में भी एक चौकीदार की हत्या की थी। भोपाल में हत्या करने से पहले ही सागर पुलिस उसकी तलाश में भोपाल रवाना हो चुकी थी। लेकिन, जब तक भोपाल पुलिस के सहयोग से उसकी लोकेशन का पता चला, वह चौकीदार की हत्या कर चुका था। भोपाल जिला न्यायालय ने शहर में की गई हत्या के मामले में सीरियल किलर को उम्र कैद की सजा सुनाई है। वहीं, सागर में की गई हत्याओं का मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। सीरियल किलर केजीएफ-2 सहित कुछ अन्य फिल्मों से प्रेरित था। विशेष लोक अभियोजन सुधाविजय सिंह भदौरिया ने बताया कि अगस्त 2022 में सागर में एक के बाद एक हत्याएं हो रही थीं। पुलिस हत्यारे की तलाश में जुटी थी, इसी बीच 2 सितंबर को भोपाल में भी 23 वर्षीय चौकीदार सोनू वर्मा की खजूरी थाना क्षेत्र में हत्या हो गई। सोनू वर्मा की हत्या के मामले में जब सागर और भोपाल पुलिस ने आरोपी को पकड़ा तो उसकी पहचान शिव गौंड निवासी जिला सागर के रूप में हुई। सीरियल किलर ने बताया कि उसने 28 अगस्त 2022 को सागर में एक चौकीदार की हत्या की थी। इसके बाद 28-29 अगस्त की दरमियानी रात सागर के कैंट क्षेत्र में एक कारखाने में तैनात चौकीदार कल्याण लोधी की हत्या की थी। 29-30 अगस्त की दरमियानी रात गवर्नमेंट आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज में ड्यूटी पर तैनात एक अन्य चौकीदार शंभू नारायण दुबे (60) के सिर पर पत्थर मार कर हत्या कर दी। पुलिस दोनों हत्याओं के आरोपी की तलाश में थी, तभी तीसरी हत्या मोती नगर थाना इलाके में 30-31 अगस्त की दरमियानी रात हो गई थी। यहां भी एक मकान की रखवाली करने वाले मंगल अहिरवार के सिर पर वार कर हत्या की गई थी।

ऐसे पकड़ा गया हत्यारा

सागर में एक बाद एक हुई तीन हत्यों की जांच के दौरान पुलिस को एक मोबाइल नंबर मिला, जिसकी लोकेशन भोपाल के लालघाटी के पास मिली। सागर पुलिस भोपाल के लिए रवाना हुई और भोपाल पुलिस से संपर्क किया। दोनों जिलों की पुलिस जब उक्त मोबाइल नंबर के अंतिम लोकेशन पर पहुंची तब तक भोपाल के खजूरी क्षेत्र में चौकीदार सोनू वर्मा की हत्या हो चुकी थी। इसी हत्या के मामले में आरोपी शिव गौंड को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

पहले दिन 23 हजार घरों में किया वितरण

मंत्री सारंग घर-घर बांट रहे प्रयागराज का गंगाजल

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने अनूठी पहल शुरू की है। उन्होंने शनिवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र में प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए पवित्र गंगाजल के वितरण का शुभारंभ किया।

मुख्य कार्यक्रम अशोका गार्डन स्थित नर्मदा परिक्रमा पार्क से प्रारंभ हुआ, जहां मंत्री सारंग ने गंगाजल वितरण लिए विशेष रूप से तैयार रथों का पूजन-अर्चन कर भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया। सारंग ने वार्ड 69 के अशोका गार्डन, वार्ड 37 में द्वारका नगर एवं वार्ड 76 में पहुंचे और नागरिकों के घर-घर जाकर पवित्र गंगाजल वितरित किया। इस अभियान के अंतर्गत नरेला विधानसभा के सभी 17 वार्डों में घर-घर गंगाजल वितरण किया गया, ताकि जो श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ नहीं जा सके, वे भी इस पवित्र जल का लाभ उठा सकें।

महाकुंभ सनातन आस्था का महापर्व

इस अवसर पर मंत्री सारंग ने इस दौरान कहा कि महाकुंभ हमारे सनातन धर्म का सबसे बड़ा और पवित्र धार्मिक आयोजन है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु देश-विदेश से आकर पुण्यलाभ अर्जित करते हैं। इस महापर्व का महत्व अनादिकाल से स्थापित है। उन्होंने कहा कि कुंभ के इस पावन अवसर पर प्रयागराज से टैंकर के माध्यम से गंगाजल मंगवाया गया है, विशेषकर उनके लिये जो प्रयागराज महाकुंभ जाने में असमर्थ हैं। इस जल को बोतलों में पैक कर घर-घर निःशुल्क वितरित किया जा रहा है।

नरेला विधानसभा के हर घर तक गंगाजल पहुंचाने का लक्ष्य

हर हर गंगे-घर घर गंगे अभियान के तहत नरेला विधानसभा के 17 वार्डों में कार्यकर्ताओं ने बोतलों में पैक किया गया प्रयागराज महाकुंभ के गंगाजल का घर-घर वितरण किया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने गंगाजल वितरण रथ व ढोल नंगाड़ों के साथ नागरिकों के घर-घर दस्तक देकर गंगाजल वितरित किया। पहले दिन लगभग 23 हजार 635 घरों में निःशुल्क गंगाजल पहुंचाया गया। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत नरेला विधानसभा के हर घर तक गंगाजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

मंत्री सारंग का जताया आभार

इस आयोजन को लेकर नागरिकों में भारी उत्साह देखा गया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर गंगाजल का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने गंगाजल प्राप्त करने के पश्चात आरती कर इसे श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया और मंत्री सारंग के प्रति आभार व्यक्त किया। अशोका गार्डन निवासी सुश्री आरती बिसेन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाकुंभ हम सभी की आस्था का महापर्व है, परंतु व्यक्तिगत कारणों से हम प्रयागराज जाने में असमर्थ थे। लेकिन अब हम घर पर ही महाकुंभ का पुण्य अर्जित कर सकेंगे। वहीं बैंक कॉलोनी निवासी श्रीमती गायत्री चौबे ने कहा कि महाकुंभ के पवित्र गंगाजल का घर-घर वितरित करना अति सराहनीय व अनूठी पहल है। कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे।

आरटीओ को निलंबित कॉन्स्टेबल के मामले में सिंघार ने सरकार को घेरा

सौरभ के घर से मिले दस्तावेजों की हो जांच

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सौरभ शर्मा मामले को लेकर एक बार फिर से कई सवाल खड़े किए हैं। उन्होने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत समेत कई बड़े नेताओं पर आरोप भी लगाए हैं।

सिंघार ने शनिवार को भोपाल में मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार सौरभ को बचाना चाहती है। उसके घर मिले दस्तावेजों की जांच होना चाहिए। 40 दिन फरारी के दौरान वह कहां रहा? किसने मदद की? इसकी कोई जानकारी नहीं है। यह सच सामने आना चाहिए। सौरभ शर्मा की कॉल डिटेल अबतक सार्वजनिक नहीं हुई है। कॉल डिटेल सामने आने के बाद कई अधिकारी और नेता बेनकाब होंगे। उन्होंने आरोप लगया कि परिवहन विभाग से एक केंद्रीय मंत्री को हर माह 2 करोड़ रुपए जाते थे। नेता प्रतिक्ष ने कहा कि मंत्री गोविंद राजपूत को घेरते हुए कहा कि राजपूत ने पूरे रैकेट को सम्भाला। दशरथ पटेल और अलीम खान रिटायर्ड होने के बावजूद भ्रष्टाचार करते रहे। उनके अलावा संजय ढांडे, संजय श्रीवास्तव ने गोविंद सिंह के साथ मिलकर घोटाला किया। सिंघार ने कहा कि एक साल में करीब डेढ़ हजार करोड़ की कमाई होती थी। हर महीने डेढ़ सौ करोड़ की कमाई की जाती थी। इसी से मंत्री गोविंद राजपूत ने वर्ष 2019 से 2024 के बीच कई जमीनें खरीदीं। राजपूत ने पत्नी और बच्चों के नाम 400 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी खरीदी। मंत्री राजपूत ने 200 करोड़ रुपए की प्रापर्टी अपनी सास और रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में गोविंद राजपूत ने 134 करोड़ की संपत्ति का ब्योरा एफिडेविट में नहीं दिया।नेता प्रतिपक्ष सिंधार सिंघार ने कहा कि राजपूत ने अपनी काली कमाई का खेला ज्ञान वीर समिति के नाम से किया। वे दान के नाम पर जमीनें दान करा रहे हैं। इसके लिए एक समिति बनाई गई जिसमें गोविंद सिंह ने पत्नी और बेटे को रखा। समिति को जमीन दान कराई गई, जो जमीन दान की गई वो भी गोविंद सिंह राजपूत के रिश्तेदारों की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में गोविंद सिंह राजपूत ने जमीनें खरीदी। सिंघार ने यह भी कहा कि सहारा की जमीन कमलेश बघेल के नाम पर कम कीमत में खरीदी गई। इस दौरान सिंघार ने खरीदी गई प्रापर्टी के दस्तावेजों के रूप में रजिस्ट्री भी मीडिया को दिखाई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूपी के सीएम योगी को सीएम आवास से दिखाया भोज ताल

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवास कार्यालय कक्ष से मुख्यमंत्री योगी को भोपाल की बड़ी झील (भोजताल) के सांध्यकालीन अनुपम सौंदर्य का अवलोकन कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल की पहचान यह झील सदियों पुरानी है। यहां के तत्कालीन प्रजापालक शासकों ने उच्च तकनीक का इस्तेमाल कर इसे जल संग्रहण के लिए निर्मित कराया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने भोपाल के प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना की। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने चर्चा के दौरान पूछा कि मध्य प्रदेश में सिंहस्थ कब है? मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें जानकारी दी कि वर्ष 2028 में उज्जैन शहर में सिंहस्थ का भव्य आयोजन होगा। सिंहस्थ आयोजन को सफल बनाने के लिए वर्तमान में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के लिए हमने मध्य प्रदेश से अधिकारियों का दल भी प्रयागराज भेजा है। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश सरकार में जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, म.प्र. के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

उपनेता प्रतिपक्ष के खिलाफ केस दज होने पर प्रदेश कांग्रेस ने कसा तंज

कटारे के खिलाफ एफआईआर पर पटवारी बोले ये है द्वेष की राजनीति

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। तीन दिन पहले 21 साल पुराने मामले में विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष कटारे पर की गई एफआईआर मामले में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी प्रेसवार्ता में सरकार पर हमला बोला है। उन्हों ने कहा है कि द्वेष की राजनीति की जा रही है। 70 साल की माता, बहू पर एफआईआर की गई है क्योंकि हेमंत कटारे लगातार सरकार को सच का आइना दिखा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार है। बीजेपी ने मध्य प्रदेश का चेहरा कलंकित किया, क्रप्शन के नए-नए विधा निकली गई। विपक्ष ने अपनी भूमिका निभाते हुए सरकार का 100 फीसदी सहयोग किया।सरकार के काम करने का तरीका नीतियों की विपरीत है। 300 से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारियों की लोकायुक्त में जांच चल रही है।तीन दिन पहले 21 साल पुराने मामले में विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष कटारे पर एफआईआर की है। द्वेष की राजनीति की जा रही है।

बीजेपी का चाल, चरित्र, चेहरा नफरत का

पीसीससी चीफ ने कहा कि 70 साल की माता, बहू पर एफआईआर की गई है क्योंकि हेमंत कटारे लगातार सरकार को सच का आइना दिखा रहे हैं। कहा- बीजेपी का चाल, चरित्र, चेहरा नफरत का, भ्रष्टाचार का है। हेमंत कटारे पर ऋकफ की गई क्या ऐसा प्रदेश में एक ही केस है। अन्य पर कार्रवाई क्यों नहीं। हेमंत कटारे के साथ पूरी कांग्रेस चट्टान की तरह खड़ी है। तकनीकी सवाल यह है कि कटारे का मामला सिविल का है, क्रिमिनल केस कैसे किया, सरकार डराना चाहती है।

शर्मा मामले की लाल डायरी क्यों छिपाई

जीतू पटवारी ने कहा कि 20 हजार करोड़ की डकैती करने वाली सरकार ने सौरभ शर्मा मामले में लाल डायरी क्यों छिपाई। सरकार को शर्म आना चाहिए..कटारे के परिवार जनों पर भी करवाई करना बेहद शर्मनाक है। बीजेपी राजनीतिक मयार्दा का पालन करे। सारे मंत्री लूट में लगे है। यदि जांच हो तो एक भी मंत्री मंत्रालय में नहीं बैठ पाएगा। नल जल योजना में भारी धांधली की जा रही है। प्रदेश में एक जिले में 100 फीसदी काम नहीं हुआ है। सीएम समेत ढलुए मंत्री के गृह क्षेत्र में हालत गंभीर हैं। करोड़ों की धांधली की गई।

पीएससी में सभी नियुक्ति में गड़बड़ियां

पटवारी ने कहा कि मै ऐलान करता हूं कि यदि कोई भी नल जल योजना के सरकारी दावों के आधार पर हमें काम का सबूत दे तो कांग्रेस इनाम देगी। जीआईएस को लेकर पटवारी ने कहा कि कांग्रेस को दिक्कत नहीं लेकिन दिखावा और काम में बहुत अंतर होता है। सरकार सिर्फ इवेंट कर रही है। कांग्रेस भी चाहती है प्रदेश विकास करें निवेश आए। पटवारी ने कहा कि पीएससी में सभी नियुक्ति में गड़बड़ियां है। सरकार ही ऐसा कर रही है। लगातार गड़बड़ी के मामले सामने आ रहे हैं।

जिस दिव्याग का वीडियो वायरल हुआ वो मैने नहीं देखा लेकिन सरकार को सभी गड़बड़ियों की जांच करना चाहिए।

सम्पादकीय

ट्रंप-मोदी मुलाकात से जगी नई उम्मीदें

यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। इस मुलाकात में उन्होंने टैरिफ का मुद्दा भी उठाया और व्यापार घाटे को कम करने के लिये अधिक तेल, गैस और सैन्य साजो-सामान खरीदने की जिम्मेदारी भारत पर डाल दी। दरअसल, भारत कुछ उन देशों में शामिल हैं जिनके साथ व्यापार का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में नहीं है। यही वजह है कि ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ तो की, लेकिन साथ ही भारत में अमेरिकी सामान पर तर्कसंगत कर लगाने की बात भी कही। यदि ट्रंप की मौजूदा नीतियां सिरे चढ़ी तो व्यापार की परिस्थितियां अमेरिका के अनुकूल भी हो सकती है।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा,मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। हाल में व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। इस मुलाकात में उन्होंने टैरिफ का मुद्दा भी उठाया और व्यापार घाटे को कम करने के लिये अधिक तेल, गैस और सैन्य साजो-सामान खरीदने की जिम्मेदारी भारत पर डाल दी। दरअसल, भारत कुछ उन देशों में शामिल हैं जिनके साथ व्यापार का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में नहीं है। यही वजह है कि ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ तो की, लेकिन साथ ही भारत में अमेरिकी सामान पर तर्कसंगत कर लगाने की बात भी कही। यदि ट्रंप की मौजूदा नीतियां सिरे चढ़ी तो व्यापार की परिस्थितियां अमेरिका के अनुकूल भी हो सकती है। ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वातार्कार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसमें पीएम मोदी के कूटनीतिक कौशल की परीक्षा भी होनी है। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का ह्यटैरिफ आतंकवादह्ल निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा। हालांकि, ट्रंप ने भारत पर टैरिफ को लेकर कोई सीधी घोषणा तो नहीं की लेकिन यह जरूर कहा कि जितना टैरिफ अन्य देश अमेरिकी सामान पर लगाते हैं, अमेरिका भी उसी अनुपात में टैरिफ लगाएगा। उल्लेखनीय है कि जिस समय पीएम मोदी अमेरिका यात्रा के लिये निकले, अमेरिका से अपमानजनक तरीके से भारत भेजे गए कथित अवैध प्रवासियों का मुद्दा गर्म था। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मन और शरीर के साथ फसलों पर भी मौसम का असर

सामान्य तौर पर देखा जाए तो मौसम के बदलाव के हिसाब से लोग लाइफ स्टाइल चेंज कर लेते हैं। यह एक सामान्य बात लगती है, लेकिन बात बस इतनी भर नहीं है। मौसम का यह बदलाव पूरे पर्यवारण के लिए खतरनाक है। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। पर्यावरण एक्टिविस्ट शंभू दयाल कहते हैं कि तेजी से बदल रहे पर्यावरण पर सरकार से लेकर अवाम तक, सभी को चिंता करने की जरूरत है। तमाम सरकारी एजेंसीज हैं जो पर्यावरण के लिए काम कर रही हैं, लेकिन उनका प्रॉसेस बहुत स्लो है। वक्त की जरूरत है कि इसमें तेजी लाई जाए। एक दिन यह विकराल समस्या बनकर सामने खड़ी होगी, तो संभालना मुश्किल होगा। इस बदलाव को कोई भी गंभीरता से नहीं ले रहा है, वरना इसे सुधारा जा सकता है।

इस बार न हेमंत ऋतु में सर्दी पड़ी और न शिशिर यानी शीत ऋतु का ही असर रहा। फरवरी जहां सर्दी का मौसम होता था, इस बार लोग-बाग दिन में बिना स्वेटर और जैकेट के घूम रहे हैं। धूप अच्छी नहीं लग रही है। दिन गर्म हैं और रातें मुकाबले में थोड़ी सर्द। दिन में कभी सामान्य हवा चलती है तो कभी सर्द। इससे तापमान फ्लैक्चुएट हो रहा है। नतीजे में न सिर्फ मन और शरीर पर असर पड़ रहा है, बल्कि फसलों को भी नुकसान हो रहा है।

इस बार बारिश भरपूर हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि पिछले साल जैसी ही अच्छी सर्दी पड़ेगी। फरवरी 2024 में भरपूर ठंड रही थी तो इस अनुमान पर सभी को भरोसा था। सर्दी को लेकर लगाया गया कयास गलत साबित हुआ। दिसंबर भी उतना सर्द नहीं रहा, जितना कि होना चाहिए था। दिसंबर में न ज्यादा कोहरा पड़ा और न शीत लहर ही चली। कई बार तापमान सामान्य से ज्यादा रहा। बरेली कॉलेज में पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. एपी सिंह कहते हैं कि इस बार विंटर रेन नहीं हुई। इसकी वजह से मौसम अभी से गर्म है।आम तौर पर दिसबंर और जनवरी में बारिश होती थी। कई दिनों तक होने वाली इस बारिश से न सिर्फ जमीन नम हो जाती थी, बल्कि वातावरण में भी नमी रहती थी। इस नमी की वजह से कोहरा और पाला बना रहता था। इस बार इनवायरमेंट में डिस्टर्बेंस रहा। इससे मौसम का मिजाज अभी से बदल गया है। बारिश की साइकिल आगे बढ़ी है। अब जून की जगह जुलाई में बारिश शुरू होती है। इसके समकक्ष जाड़े का मौसम आगे नहीं बढ़ा, बल्कि गर्मी जल्दी आ गई। इन दिनों 25 से 28 डिग्री तक तापमान चल रहा है। 20 फरवरी के बाद और ज्यादा तापमान बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिक मान रहे हैं कि मार्च में ही तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। डॉ. एपी सिंह कहते हैं कि जनवरी सामान्य से ज्यादा गर्म रही। इस लिहाज से लग रहा है कि लोगों को मार्च में ही मई जैसी गर्मी झेलनी पड़ सकती है। अगर अब भी पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो जाता है तो बारिश हो सकती है। इससे सर्दी का असर बढ़ सकता है। वरना गर्मी का बढ़ना तय है। दिसंबर में तापमान न गिरने और फिर फरवरी में ही गर्मी जैसा मौसम हो जाने का सबसे बुरा असर खेती पर पड़ा है। सरसों जैसी फसलों में वक्त से पहले फूल आ गए। इसकी वजह से फलियां भी कम हुई हैं। विंटर रैन न होने से फसलों में रोग की संभावना भी बढ़ी है और फसली कीड़ों की पैदावार भी।

एशिया के सबसे बड़े संस्थान इंडियन वैटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. रणजीत सिंह कहते हैं- इस बार दिसंबर से ही तापमान ज्यादा रहा। इससे खेतों में पौधे ज्यादा बड़े नहीं हो पाए। अधिक तापमान से अभी भी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस बार रबी की फसलों में कल्ले कम आए हैं। राई और सरसों के पौधों में वक्त से पहले फूल और बालियां आ गई हैं। मौसम के इस बदलाव की वजह से गेहूं की पैदावार भी कम होगी। इस दफा पैदावार 20 किलो प्रति बीघा कम होने का अनुमान है। डॉ. रणजीत सिंह ने बताया कि मौसम के इस बदलाव से फसलों में रोग आने की संभावना भी बढ़ गई है। पौधों में खर्रा रोग होने की उम्मीद बढ़ जाएगी। माहू, चेपा, भुनगा, थ्रिप्स जैसे कीड़ों की पैदावार बढ़ जाएगी। थ्रिप्स प्याज-लहसुन के लिए नुकसानदेह है।

हवा में नमी रहने और तापमान अचानक बढ़ जाने से पौधों की डंडी सूखने लगती है। इससे फसलों को नुकसान होता है। तापमान बढ़ने से आलू के पौधे भी ज्यादा बड़े नहीं हो सके। इससे आलू की साइज भी छोटी रह जाएगी। उन्होंने कहा कि तापमान का उतार-चढ़ाओ पौधों में बीमारियों को जन्म देता है और पौधों का रस चूसने वाले कीड़े बहुत बढ़ जाते हैं। सामान्य तौर पर देखा जाए तो मौसम के बदलाव के हिसाब से लोग लाइफ स्टाइल चेंज कर लेते हैं। यह एक सामान्य बात लगती है, लेकिन बात बस इतनी भर नहीं है। मौसम का यह बदलाव पूरे पर्यवारण के लिए खतरनाक है। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। पर्यावरण एक्टिविस्ट शंभू दयाल कहते हैं कि तेजी से बदल रहे पर्यावरण पर सरकार से लेकर अवाम तक, सभी को चिंता करने की जरूरत है। तमाम सरकारी एजेंसीज हैं जो पर्यावरण के लिए काम कर रही हैं, लेकिन उनका प्रॉसेस बहुत स्लो है। वक्त की जरूरत है कि इसमें तेजी लाई जाए। एक दिन यह विकराल समस्या बनकर सामने खड़ी होगी, तो संभालना मुश्किल होगा। इस बदलाव को कोई भी गंभीरता से नहीं ले रहा है, वरना इसे सुधारा जा सकता है।

विश्व साहित्य का आकाश- बाप्सी सिद्धवा और भारत विभाजन

सिने-प्रेमियों ने दीपा मेहता की निर्देशित अर्थ और वाटर फिल्में देखी होंगी। दोनों फिल्मों का आधार इंग्लिश उपन्यासकार बाप्सी सिद्धवा लेखन है। 11 अगस्त 1938 में कराची के एक गुजराती पारसी परिवार में जन्मी बाप्सी सिद्धवा का 86 वर्ष की उम्र में 25 दिसम्बर 2024 को टेक्सास के हौस्टन में गुजर गईं। वे बचपन में कराची से लाहौर आ गई थीं, उसी समय देश विभाजन की त्रासदी उन्होंने देखी और इसी कथानक पर उन्होंने चार उपन्यास लिखे।

इन उपन्यासों में बाप्सी ने एक बच्ची की नजर से देश विभाजन, स्त्री अधिकारों, देश से बेघर होने की पीड़ा एवं पारसी सभ्यता-संस्कृति पर अपनी बात रखती हैं। उन्हें कई सम्मान-पुरस्कार प्राप्त हुए जिसमें 1991 में मिला सितारा-ए-इम्तियाज भी शामिल है। बाप्सी सिद्धवा को सर्वाधिक प्रसिद्धि मिली उपन्यास आइस-कैंडी-मैन से। यह उनका तीसरा उपन्यास है जो 1988 में प्रकाशित हुआ यह उपन्यास क्रैकिंग इंडिया के नाम से भी उपलब्ध है। इसके पहले वे 1980 में द क्रो ईटर्स तथा 1983 में द पाकिस्तानी ब्राइड लिख चुकी थीं। इसके बाद उन्होंने 1993 में एन अमेरिकन ब्रैट, 2005 में राइटिंग्स ऑन लाहौर, 2006 में वाटर तथा 2012 में देयर लैंग्वेज ऑफ लव लिखा।

इतिहास केवल इतिहास की किताबों में ही दर्ज नहीं होता है। वह मौखिक होता है, साहित्य में विस्तार से दर्ज होता है। इतिहास के कई आयाम होते हैं। पुरुषों का इतिहास, स्त्रियों का इतिहास भिन्न होता है, और बच्चों द्वारा देखा गया इतिहास वयस्कों के देखे इतिहास से बिल्कुल जुदा होता है। क्रैकिंग इंडिया या आइस-कैंडी-मैन ऐतिहासिक उपन्यास है जो भारत विभाजन का आख्यान है। इस पूरे घटनाक्रम को एक छोटी पारसी बच्ची लेनी सेठी की दृष्टि से चित्रित किया गया है। असल में यह आत्मकथात्मक उपन्यास है, छोटी बच्ची लेनी स्वयं बचपन की बाप्सी सिद्धवा है। 1947 में इस बच्ची ने लाहौर में रहते हुए घर-परिवार एवं परिवार के बाहर बहुत कुछ देखा। उसने क्रूर अत्याचार, हत्या, बलात्कार, लाखों लोगों का बेगर होना, घृणा, धार्मिक कट्टरता तथा विभाजन की त्रासदी देखी थी।

भारत के जटिल इतिहास को चित्रित करते उपन्यास में उच्च वर्ग की लेनी सेठी की देखभाल खूबसरत हिन्दु आया शांता के जिम्मे है। कहानी 4 साल की लेनी से 10 साल की लेनी तक को समेटती है। भारत बंटने वाला है... मासूम बच्ची जानना चाहती है, क्या होगा अगर वे वहीं टुकड़े करेंगे जहां हमारा घर है? खूबसूरत आया शांता के कई दीवाने हैं, जिसमें सिख, पठान, मुसलमान सब शामिल हैं। पर उसका दिल एक मुस्लिम लड़के आया है। बच्ची समाज के बदलते स्वरूप को देखती है। वह दंगे प्रारंभ होने पर मुसलमान, हिन्दू, सिख का धार्मिक उन्माद देखती है। चूंकि वह पारसी है, अतः विभाजन और धार्मिक कट्टरपंथ का सीधे उसके परिवार पर असर नहीं पड़ता है। इस सारे घटनाक्रम में पारसी निरपेक्ष रहे थे। परन्तु आसपास घट रही बातों का प्रभाव बच्ची पर बड़ा गहरा होता है। लेनी शारीरिक रूप से तनिक विकलांग है, उसे पोलियो है, इसी कारण वह स्कूल में नहीं है। परन्तु उसकी आंखें बहुत सतर्क हैं, आसपास की घटनाओं को वह देखती है, भले ही सब समझती न हो। वह अनायास घटती बातों की साक्षी बनती है। जो घटनाएं हुई लेनी के अनुसार वे सोच-समझ कर नहीं हुईं, अनायास घटीं।

लेनी में बच्चों की मासूमियत है, पर वह जानने को उत्सुक है। वह देखती है उसकी आया अपने प्रशंसकों पर नियंत्रण रखती है, तय करती है, किस लड़के को कितनी छूट देनी है। साथ ही वह देखती है, कुछ बातें आया के नियंत्रण के बाहर हैं। लेनी का सारा समय आया के साथ गुजरता है और आया का साथ अपनी तरह के लोगों के बीच। इसी कारण लेनी निम्न वर्ग के संपर्क में आती है, उनकी बातें सुनती है, वहीं उसे धार्मिक भेदभाव, राजनीति के उतार-चढ़ाव का ज्ञान होता है। देश के बंटवारे की वारदात से परिचित होती है। उपन्यास आइस-कैंडी, चिड़िया, पिंजड़ा आदि कई प्रतीकों का प्रयोग करता है। आइस-कैंडी एक ओर मीठी होती है दूसरी ओर ठंडी भी। यह जीवन की तरह क्षणभंगुर होती है। आइस-कैंडी-मैन एक ओर लुभावना है वह आया और लेनी के जीवन में खुशी लाता है दूसरी ओर बहुत क्रूर है, प्रतिकार में आया को अपहृत कर उसे वेश्यालय पहुंचाता है। चिड़िया स्वतंत्रता का प्रतीक है वह पिंजड़े में है। यहां भी आइस-कैंडी-मैन का दोहरा चरित्र नजर आता है। वह उन्हें पिंजड़े से उड़ा कर स्वतंत्र करता है अर बाद में आया को कैद करता है। माता-पिता की नजरों से दूर लेनी औरत-मर्द के शारीरिक मिलन को देखती है, समय से पहले, सामान्य तौर पर वयस्क होने के पहले उसे इन बातों का पता चलता है। आया के अपहृत होने पर उसके व्यवहार में परिवर्तन आता है। उसका घर वास्तव में बंट जाता है।

विभाजन का अल्पसंख्यकों और खासतौर स्त्रियों पर असर वह देखती है, नतीजन वह एक बच्ची नहीं रह जाती है, इसलिए यह उपन्यास आइस-कैंडी-मैन (क्रैकिंग इंडिया) कमिंग ऑफ एज का उपन्यास है। भारत विभाजन होता है, लाहौर जल रहा है। अपहृत आया लेनी की गॉडमदर के प्रभाव से जब वह खोजी जाती है, वह रेडलाइट इलाके में मिलती है। विभाजन के हादसे के बाद न लेनी वही बच्ची रहती है और न भारत भारत रह जाता है, अब भारत एवं पाकिस्तान दो भिन्न देश हैं। असल में भारत औपनिवेशिक काल में ही घायल हो गया था, उसका विभाजन काफी पहले प्रारंभ हो गया था। उपन्यास शुरू से लोगों के नाम, उनके कपड़ों और केश विन्यास में उनकी धार्मिक भिन्नता दिखाता है। समय के साथ ये विभाजन बढ़ते जाते हैं, नफरत में बदल जाते हैं। जो आइस-कैंडी-मैन उसकी आया और उसे पसंद करता था, वही आगे चल कर आया की बरबादी का कारण बनता है। लेनी मुसलमान द्वारा सिख को मारा जाना देखती है, पठान को मरते देखती है। उसकी बुआ अमृतसर में रहती है, वह जब आती है तो भारत में मारकाट की बात लेनी को पता चलती है। राजनैतिक एवं सामाजिक हलचल के कारण 1947 और उसके एकाध साल आगे-पीछे इस भूखंड में क्या कुछ नहीं हुआ? धर्म के नाम पर देश का विभाजन हुआ। लाखों लोगों का जीवन तबाह हो गया, हादसे से कितने अपना मानसिक संतुलन खो बैठे, कितनों को जबरदस्ती अपनी धार्मिक पहचान बदलनी पड़ी। यह सब देखने के बाद बच्ची पहले वाली बच्ची कैसे रह सकती थी, कैसे कायम रहती उसकी मासूमियत! समय से पहले लेनी परिपक्व हो जाती है।

नीतीश के बेटे निशांत के आने से जदयू हड़पने का सपना टूट जाएगा..!

बिहार की 58 फीसदी आबादी 25 साल से कम की है। 20 से 59 साल की आबादी करीब 47 फीसदी है। तेजस्वी, पीके, चिराग, कन्हैया, सम्राट चौधरी, मुकेश सहनी जैसे नए लीडर अब मैदान में हैं। लालू जी स्वास्थ्य कारणों से और नीतीश जी भी करीब-करीब उम्र जनित दिक्कतों की वजह से सक्रिय राजनीति से दूर हो जाएंगे। कब होंगे, इसका निर्णय वे स्वयं ही लेंगे। फिर, भाजपा के उस सपने का क्या होगा, उन लोगों का क्या होगा, जो जदयू में काफी पहले प्लांट किए गए थे, अगर नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार भी सक्रिय राजनीति में आ कर जदयू की कमान संभाल लेते है?

हरनौत सीट से नीतीश कुमार चुनाव लड़ते रहे हैं। अब एक पोस्टर आया है, जिस पर लिखा है, राजा का बेटा राजा नहीं बनेगा। ये पोस्टर किसी कांग्रेसी टिकटार्थी नेता रवि गोल्डन ने लगाया है, जो इसी सीट से खुद को संभावित प्रत्याशी मान कर चल रहा है। अब गोल्डन को राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, चिराग पासवान और संतोष मांझी फकीर के बेटे तो निश्चित ही नहीं लगते होंगे। तो, उन्होंने ऐसा पोस्टर क्यों लगाया? असल में खबर है कि निशांत इसी सीट से चुनाव लड़कर अपने पिता की विरासत और जदयू की कमान संभालेंगे। बिहार की और जदयू की अशांत राजनीति में निशांत की एंट्री अब तकरीबन क्लियर होती दिख रही है और इसलिए भी कि अब नीतीश कुमार के पास दूसरा कोई मुकम्मल रास्ता भी नहीं बचा है। रह गई बात राजा का बेटा राजा, तो बेचारा गोल्डन, मेरी समझ से किसी टटपुँजिया पर्चे बाज की सलाह पर यह गलती कर बैठा या सब कुछ प्लांड है, कहना मुश्किल है। लेकिन, यह कहना आसान है कि राजनीति में तो धुँआ बिना आग के भी लग जाती है।

यहां तो निशांत की एंट्री को ग्रैंड बनाने की कोशिश सोशल इंजीनियरिंग के मास्टर नीतीश कुमार कर ही रहे होंगे। बस, ऐलान होना बाकी रह गया है। एनडीए के घटक संतोष मांझी से लेकर चिराग पासवान तक ने निशांत की एंट्री को ले कर सकारात्मक बयान दिए हैं। लालू यादव और तेजस्वी यादव खामोश है तो बिहार में नेता का बेटा नेता ही बनता है, यह कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर से ले कर जीतनराम मांझी के बेटे संतोष मांझी तक जगजाहिर है। ऐसे में, नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार अगर बिहार की राजनीति में कदम रखते हैं, तो किम अश्चर्यम्।

निशांत बिहार की जरूरत हो न हो, लेकिन वे नीतीश कुमार की जरूरत जरूर है, जदयू की जरूरत जरूर हैं। जदयू नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षा की वजह से आज ऐसी स्थिति में हैं, जो एक तरह से गिरवी रखी पार्टी जैसी है। वह भी तब, जब पिछले 18 सालों से नीतीश कुमार सीएम है। जार्ज फर्नांडीज से ले कर शरद यादव जैसे दिग्गज समाजवादी नेताओं को राजनीतिक तौर पर हाशिये पर डालने का काम नीतीश कुमार ने किया है।

नतीजा, आज उनकी पार्टी में उनके अलावा कोई नहीं दिखता। जो दिखता है, वो कोई और हैं। वो कम से कम समाजवादी मूल्यों वाली राजनीति तो नहीं ही करेगा। यह बात नीतीश कुमार अब भली-भांति समझाने लगे हैं, महसूस करने लगे हैं। उन्हें यह अंदाजा आज से नहीं, काफी पहले से हैं, कि भाजपा ने 18 साल उनकी पालकी ऐसे ही नहीं ढोयी है। इसका मुआवजा भाजपा को चाहिए होगा और जदयू से बेहतर मुआवजा भाजपा के लिए क्या हो सकता है?

भिंड शिक्षा विभाग में करोड़ो की हेराफेरी

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदूपुरा के तत्कालीन प्राचार्य लल्लेश शर्मा विद्यालय का रिकॉर्ड ले गया साथ!

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
भिंड, दअरसल मामला भिंड जिले शिक्षा विभाग से जुड़ा है भिंड ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदूपुरा में वर्ष 2003 से 2015 तक का सभी रिकॉर्ड तत्कालीन प्राचार्य लल्लेश शर्मा अपने साथ ले गया, उक्त मामले की शिकायत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदूपुरा में रहे प्राचार्यों ने पत्र लिखकर जिला शिक्षा अधिकारी एवं संभागीय शिक्षा अधिकारी को कई बार की लेकिन उक्त पत्राचारों का कोई असर विभागीय अधिकारियों पर नहीं पड़ा, वही अब तक रहे जिला शिक्षा अधिकारियों के द्वारा भी कई बार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदूपुरा के तत्कालीन प्राचार्य लल्लेश शर्मा को विद्यालय का रिकॉर्ड उपलब्ध कराने को लेकर आदेश जारी हुए लेकिन तत्कालीन प्राचार्य लल्लेश शर्मा ने जिले व संभाग के सभी के आदेशों को कोई तवज्जो नहीं दी ओर न ही रिकॉर्ड उपलब्ध कराया, वही यदि स्थानीय लोगों का कहना है कि तत्कालीन प्राचार्य लल्लेश शर्मा ने 2003 से 2015 तक प्राचार्य के पद पर रहकर कई वित्तीय अनियमितताएं की वही साइकिल वितरण घोटाला, अनुसूचित जाति के छात्र छात्राओं की कोई फ़ीस माफ नहीं की, शाला विकास की राशि, वरिष्ठ कार्यालयों से अलग अलग मद में प्राप्त हुई राशि इन सभी मदोकी राशि अपने परिजनों ओर रिश्तेदारों

के खाते के माध्यम से आहरित कर ली है जिस कारण तत्कालीन प्राचार्य लल्लेश शर्मा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा रहा है और विद्यालय का रिकॉर्ड अपने साथ ले गया, और यदि रिकॉर्ड दिया तो पूरा भ्रष्टाचार उजागर हो जायेगा रिश्तेदारों सहित जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है वहीं दबी जुबान से कुछ स्थानीय लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि तत्कालीन प्राचार्य लल्लेश शर्मा का एक रिश्तेदार है जो पत्रकार हैं उस पत्रकार और उसकी पत्नी और उसके पिता के नाम से कई लाखों रुपए के चेक काट कर राशि को आहरण किया गया! यदि मामले की जांच पड़ताल कोष एवं लेखा शाखा भोपाल से होती है तो भिंड शिक्षा विभाग का अब तक सबसे बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है और इस पूरे भ्रष्टाचार को अंजाम देने बालों को जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। बड़ा सवाल आखिर जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई जो कई सवाल खड़े करता है?
इनका कहना है -शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदूपुरा का मामला मेरे संज्ञान में है और रिकॉर्ड के सम्बन्ध में मेरे तत्कालीन प्राचार्य लल्लेश शर्मा को पत्र जारी किया है कि जल्द से जल्द रिकॉर्ड उपलब्ध कराए अन्यथा इस पूरे मामले को लेकर fir भी होगी।
आरडी मित्तल, जिला शिक्षा अधिकारी भिंड
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदूपुरा से 2003 से 2015 तक का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराने के सम्बन्ध में पत्र मौजूदा प्राचार्य प्रमोद ओझा के द्वारा प्राप्त हुआ था जिस सम्बन्ध में भिंड जिला शिक्षा अधिकारी आरडी मित्तल को पत्र के माध्यम आदेशित किया गया है जल्द से जल्द पूरे मामले बारीकी से जांच पड़ताल कर संबन्धित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर इस कार्यालय को भी अवगत कराए, चूंकि मामला वित्तीय अनियमितताएं से जुड़ा है जिन जिन खाते के माध्यम से शासकीय राशी आहरित की गई उन सभी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी जाएगी।

दीपक पांडे, संभागीय शिक्षा अधिकारी

माघी पूर्णिमा के बाद भी नहीं थम रही प्रयागराज कुंभ यात्रियों की भीड़

श्रद्धालुओं के बीच ट्रेनों में अभी भी मच रही अफरातफरी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, माघी पूर्णिमा के बाद भी प्रयागराज कुंभ जाने की होड़ कम नहीं हो रही है। ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं मिल रही है। माघ पूर्णिमा स्नान के बाद भी पूर्याजराज की तरफ जाने वाली ट्रेनों में भीड़ कम नहीं हो रही है। महाकुम्भ और दूसरी जगह जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेन आते ही अफरातफरी मचने से रोज सैकड़ों यात्री चढ़ नहीं पा रहे। इसमें कुछ यात्री चोटिल भी हो जा रहे हैं। कटनी जंक्शन से 15 फरवरी को पांच ट्रेनें गुजरी जिसमें जबरदस्त भीड़ थी। कटनी जंक्शन के प्लेटफॉर्म पर कई ट्रेनों के आने पर अफरातफरी मच रही है। यात्री धक्का मुक्की कर कोच में चढ़ने का प्रयास करने कर रहे है। कई लोग तो भीड़ से धक्का खाने के बाद प्लेटफॉर्म में गिर भी रहे और वह दोबारा नहीं चढ़ पा रहे। माघी पूर्णिमा बीत जाने के बाद भी प्रयागराज जाने के लिए कटनी रेलवे स्टेशन पर भीड़ देखी जा रही है। कटनी रेलवे स्टेशन पहुंचे यात्रियों ने बताया कि वे लोग भीड़ से बचने के लिए माघी पूर्णिमा के बाद प्रयागराज जाने की सोच रखी थी और वह माघी पूर्णिमा के बाद अपने घर से निकल प्रयागराज जाने के लिए कटनी रेलवे स्टेशन पहुंच भी गए लेकिन रेलवे प्लेटफॉर्म का नज़ारा देख वह दंग रह गए। प्रयागराज जाने वाली जो भी ट्रेन कटनी होकर गुजरने वाली है उन सभी ट्रेनों में खचाखच भीड़ है, जिससे कटनी से चढ़ने वाले कई श्रद्धालु ट्रेनें में चढ़ नहीं पा रहे है। वही कटनी रेलवे स्टेशन मास्टर संजय दुबे ने बताया कि माघी पूर्णिमा बीत जाने के बाद भी ट्रेनों में लगातार भीड़ प्रयागराज जा रही है। वही भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेन चला रही। कटनी से जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए कई रैक भी बुलवाए जा रहे है जिससे यात्रियों को प्रयागराज जाने के लिए समस्याओं का सामना न करना पड़े।

कटनी आगजनी कांड में पुलिस जांच में चौंकाने वाले खुलासा

चार मंजिला इमारत में लगी आग थी साजिश, आरोपी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र बरगवां रोड स्थित चार मंजिला इमारत में 9-10 जनवरी की दरमियानी रात हुई भीषण आगजनी के मामले में हैरान करने वाले तथ्य सामने आए हैं।व्यवसायिक इमारत में आग शार्ट सर्किट या किसी अन्य कारण से नहीं लगी थी बल्कि, सुनियोजित ढंग से लगाई गई थी। इस वारदात को एक युवक ने अंजाम दिया था। तथ्य सामने आने के बाद रंगनाथ नगर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पूरे मामले तक पहुंचने के लिए पुलिस जांच को आगे बढ़ा रही है।
रंगनाथ नगर थाने के प्रभारी नवीन नामदेव ने बताया कि आधी रात को अचानक इमारत पूरी तरह से आग के गोले में तब्दील हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक दर्जन फायर ब्रिगेड को मौके पर लगाया गया जिनकी मदद से चार घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका था। शुरूआती दौर में शार्ट सर्किट से

आग लगने की बात सामने आ रही थी। लेकिन, दो दिन बाद भवन स्वामी अशोक विश्वकर्मा ने एक आवदेन रंगनाथ थाने में दिया और जांच की मांग की, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि एक युवक होटल से लगे पंजाब एंड सिंध बैंक के एटीम में आग लगाई थी। जिसका वीडियो पुलिस के हाथ लगा जिस वीडियो के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। रंगनाथ नगर थाने के प्रभारी नवीन नामदेव ने बताया कि आगजनी वाले भवन में पंजाब एंड सिंध बैंक है और उसका एटीएम भी संचालित होता है। पुलिस ने जांच शुरू की तो पाया कि आगजनी में एटीएम की सीसीटीवी की रिकार्डिंग खराब हो गई है। उसके बाद उसे रिकवर करने का प्रयास किया गया जिसमें सफलता मिल गई। पुलिस ने सीसीटीवी के फुटेज को जांचा, तो पाया कि रात 12 बजे के बाद एक युवक एटीएम में पहुंचता है और उसमें आग लगाता है। आग बाद में धीरे धीरे बड़ा रूप ले लेती और पूरी बिल्डिंग में फैल जाती है जिसके बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। पुलिस ने करीब एक माह की जांच में हादसा या वारदात की स्थिति को स्पष्ट कर लिया है। लेकिन, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई कि आग लगने वाल युवक कौन था। उसकी पहचान करने के लिए शहर के अलग-अलग हिस्से के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। अभी तक कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं, जिसके आधार पर पुलिस आरोपी की पहचान कर सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

जिला पंचायत सामान्य सभा बैठक में मनरेगा लेबर बजट सहित अन्य प्रस्ताव का हुआ अनुमोदन

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक शनिवार 15 फरवरी को जिला पंचायत सभागार में अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर सदस्य सुश्री भारती केवट, यशोदा कोदू सिंह, श्री नर्मदा सिंह, श्री दरोगा सिंह, श्री भूपेंद्र सिंह, श्री रंजीत सराटी, श्री राम जी रिंकू मिश्रा, श्रीमती भुवनेश्वरी सिंह, श्रीमती किरण चौधरी उपस्थित थे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने पालन प्रतिवेदन तथा एजेंडा वीडियो के संबंध में जानकारी दी। बैठक में जिला पंचायत डीपीडीपी वर्ष 2025-26 के प्रस्ताव का अनुमोदन, जिले के जनपद पंचायतों का बीपीडीपी वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के प्रस्ताव का अनुमोदन, जिला पंचायत अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के पूर्व अनुमोदित डीपीडीपी के संशोधन प्रस्ताव का अनुमोदन, जिला पंचायत अंतर्गत 15 वें वित्त अंतर्गत वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के प्रशासनिक व्यय की जानकारी एवं चर्चा, जिला पंचायत अंतर्गत महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेवर बजट का अनुमोदन तथा अन्य बिंदु पर चर्चा कर अनुमोदन प्रदान किया गया। इस संबंध में जिला पंचायत के पदाधिकारीयो को अधिकारियों ने बिंदुवार जानकारी से अवगत कराया। बैठक में 15 वें वित्त आयोग निधि की आबद्ध राशि के उपयोग संबंधी दिशा निर्देश वर्ष 2024- 25 के संबंध में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई।

झोला छाप डाक्टरों के आगे नत्मस्तक प्रशासन

ये भ्रष्टाचार या अनदेखी, समझ के परे

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनुपपुर, अनुपपुर झोला छाप द्वारा लगातार प्रशासनिक अधिकारियों को महीने पैसे देने की बात कही जाती है उसके बावजूद इनके ऊपर कोई भी कार्यवाही नहीं होना कई सवाल उत्पन्न कर रहा है, इन दिनों नगर में यह चर्चा है नगर में झोलाछाप डॉक्टर गली गली और गांव-गांव में बसे हैं जो कुछ अधिकारियों के सा पर चल रहे हैं जिसके कारण लोगों की जान के साथ किया जा रहा है खिलवार जैसा की कुछ दिन पहले कोतमा नगर में एक झोलाछाप डॉक्टर ने एक फॉरेस्ट गार्ड का इलाज करके हाइड्रोसील का ऑपरेशन करने की बात सामने आई थी जिसके पास उसे झोलाछाप डॉक्टर के ऊपर कार्रवाई की मांग पत्रकारों के द्वारा ली गई जब जाकर कोई कार्रवाई हुई अत: ऐसा ना हो अनूपपुर जिले के अंदर ऐसे 200 से ढाई सौ डॉक्टर झोलाछाप गली गली में घूम रहे हैं और क्लिनिक डालकर बैठे हुए हैं जो बिहार बंगाल और कई गांव के लोग हैं जिनके पास ना कोई डिग्री ना ही कोई डॉक्यूमेंट है उनके पास उसके बाद भी इलाज कर रहे हैं आखिर हमारे गांव और शहर में ऐसा क्यों हो रहा है आखिर कब होगी कार्रवाई नहीं तो ऐसे ही मनोज नामक व्यक्ति जैसे कई लोगों की जान जा सकती है ऐसे ही हमें जानकारी मिली कुछ ऐसे डॉक्टर हैं झोलाछा बंगाली जो 1984 से अपनी क्लिनिक जमाए बैठे हुए हैं उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती है और वह धड़ल्ले से अपनी क्लीनिक चलाते हैं और बोलते हैं जिनको जाकर बताना हो बता दीजिए चाहे कलेक्टर से बताइए चाहे कमिश्नर से बताइए चाहे स्वास्थ्य अधिकारी से बताइए जिसको बताना हो उसे बता दीजिए मेरा कोई कुछ नहीं कर पाएगा अत: निवेदन है इन झोलाछाप डॉक्टरों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

कोतमा पुलिस द्वारा गुमशुदा कबीरधाम छत्तीसगढ़ से दस्तयाब कर परिवार जनों को सुपुर्द किया

सुनील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, सूचनाकर्ता कैलाश कोल पिता विष्णु कोल निवासी कोतमा थाना कोतमा के द्वारा दिनांक 27/01/25 को रिपोर्ट किया कि इसकी बच्ची ममता कोल परिवर्तित नाम उम्र 26 साल घर से बिना बताए दिनांक 27/01/25 को कहीं चली गई है रिपोर्ट पर गुम इंसान क्रमांक 07/25 कायम कर जांच में लिया गया दौरान जांच गुमशुदा को कबीरधाम छत्तीसगढ़ से दस्तयाब कर परिवार जनों को सुपुर्द किया गया. उक्त कार्यवाही में , प्र.आर.विवेक त्रिपाठी, आरक्षक जितेंद्र मंडलोई एवं साइबर सेल प्रधान आरक्षक राजेंद्र अहिरवार आरक्षक पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

यूपी बोर्ड की परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी

परीक्षा केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। यूपी बोर्ड की परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला विद्यालय निरीक्षण रेखा ने बताया कि जिले में अबकी 72573 छात्र पंजीकृत हैं। जिले में 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा कक्षों में परीक्षार्थियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इस बार बोर्ड की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू हो रही हैं। खास बात यह है कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में एक कक्ष बनाया गया है जहां से सभी परीक्षा केंद्रों पर नजर रखी जाएगी और नियंत्रण कक्ष में लगाए गए 15
स्क्रीनों पर परीक्षा सजीव रूप से दिखेगी। यदि कहीं भी कोई अनियमितता पाई जाती है तो उसको तभी रोकने का काम किया जाएगा। इस तरह से शिक्षा विभाग और प्रशासन का यह प्रयास है कि पूरी परीक्षा नकल विहीन रहे। जिले में जो 90 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं उन्हें 13 सेक्टर और 5 जोन में बांटा गया है और परीक्षा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मंडल स्तर पर तीन सचल दल और जिला स्तर पर छह सचल दल बनाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों की निरीक्षण की जिम्मेदारी संयुक्त शिक्षा निदेशक, उप शिक्षा निदेशक, सहायक शिक्षा निदेशक और जिला स्तर पर जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी छह सचल दलों की निगरानी करेंगे।

मां नर्मदा उद्गम मंदिर अमरकंटक पहुंच पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने की पूजा अर्चना

प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मां नर्मदा से की कामना

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, मां नर्मदा की उद्गम स्थली पवित्र नगरी अमरकंटक प्रवास पर पहुंचे मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने मां नर्मदा उद्गम मंदिर में मां नर्मदा की पूजा अर्चना कर प्रदेश वासियों के सुख समृद्धि की कामना की। मंदिर के पुरोहितों ने विधि विधान से पूजन अर्चन कराया।

दो पहिया वाहन चालक एवं सहयात्री के हेल्मेट न पहनने पर नहीं मिलेगा पेट्रोल

सहारनपुर जनपद में नो हेल्मेट नो फ्यूल की रणनीति लागू

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जनपद के समस्त पैट्रोल पम्प संचालकों एवं स्वामियों के साथ बैठक आहूत की गई। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार ने पैट्रोल पम्प संचालकों एवं स्वामियों को निर्देश दिये कि किसी भी दशा में ऐसे दो-पहिया वाहन चालक को पैट्रोल का विक्रय नही किया जाएगा जिसके चालक तथा सहयात्री ने हेल्मेट नहीं पहना हो। ज्ञातव्य है कि जनपद में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा हेल्मेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नो हेल्मेट नो फ्यूल की रणनीति लागू की गयी है।

लिंटर गिरने से मलबे में दबे मजदूर

लोगों ने मलबा हटाते हुए मजदूरों को बाहर निकाला, एक मजदूर की हालत गंभीर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर (पुवांरका), मोहिउद्दीनपुर गांव में लिंटर गिरने से मलबे में तीन मजदूर दब गए। जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने मलबा हटाते हुए मजदूरों को बाहर निकाला। दो मजदूरों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि एक मजदूर की हालत गंभीर बनी है। जानकारी के अनुसार थाना जनकपुरी क्षेत्र के गांव मोहिउद्दीनपुर में गांव निवासी सलीम ने अपने घर का लिंटर तुड़वाने के लिए गांव के ही तीन मजदूरों को लगाया था। तीनों मजदूर लिंटर तोड़ने में लगे हुए थे। आधा लिंटर तो तोड़ा जा चुका था। लेकिन इसी बीच शेष बचा आधा लिंटर टूटकर गिर पड़ा। इसके मलबे में कपिल उर्फ भूरा, जुगनू पुत्र हरपाल और सिद्धार्थ पुत्र कहर सिंह दब गए। मौके पर जुटी भीड़ ने काफी मशक्कत के बाद दबे मजदूरों को बाहर निकाला। इसी बीच सूचना पर पीआरवी 0962 पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दो मजदूरों को मामूली चोट थी जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने कपिल उर्फ भूरा को गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से चिकित्सकों ने उसको हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। परिजन ने कपिल को नगर के ही एक निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया है। जहां कपिल उर्फ भूरे की हालत गंभीर बनी है। उधर, पुलिस का कहना है कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। यदि तहरीर आती है तो रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

कम्पनी बाग में तैयार होंगे फल एवं शाकभाजी के स्वस्थ, रोग रहित, उच्च गुणवत्तायुक्त, उन्नतशील प्रजाति के पौधे

प्रगतिशील कृषक एक रूपये प्रति पौधे की दर से करा सकते हैं पौध तैयार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र कम्पनी बाग में फल एवं शाकभाजी उत्कृष्टता केन्द्र प्रारम्भ हो चुका है, जिसमें फल एवं सब्जी के स्वस्थ, रोग रहित, उच्च गुणवत्तायुक्त, उन्नतशील प्रजाति के पौधे तैयार कर जनपद एवं आसपास के प्रगतिशील कृषकों को उपलब्ध करायें जायेंगे, जिससे कृषक कम समय में अधिक एवं उच्चगुणवत्तायुक्त फसल तैयार कर उसको बाजार में अच्छे दामों पर विक्रय कर पाएंगे। संयुक्त निदेशक पूजा ने बताया कि कृषक अपनी फसल का बीज इस केन्द्र पर उपलब्ध कराकर फल एवं सब्जी की पौध तैयार करा सकता है। फल एवं शाकभाजी उत्कृष्टता केन्द्र पर फल एवं सब्जी की उच्च गुणवत्तायुक्त पौधे तैयार कर उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रगतिशील कृषक दो रूपये प्रति पौधे की दर से पौधे प्राप्त कर सकते हैं। प्रगतिशील कृषक अपनी फसल का बीज देकर एक रूपये प्रति पौधे की दर से शुल्क जमा कर पौध तैयार करा सकते हैं। पौधे प्राप्त करने हेतु सहायक कीट विशेषज्ञ अशोक कुमार मोबाइल नम्बर- 7500556124 एवं कनिष्ठ सहायक श्री शिवम कुमार के मोबाइल नम्बर- 8865824961 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

डेहरी चौकी प्रभारी चौहान पर हमला करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

हमला करने वाले आरोपियों का पुलिस ने कान पकड़ाकर निकाला जुलूस

बाग - बाग थाना अंतर्गत डेहरी चौकी प्रभारी जगदीश चौहान पर हमला करने का मामला सामने आया था । जो बीती रात्रि को ग्राम लोंगसरी सड़क पर कुछ लोग आपस में झगड़ रहै थै उधर से डेहरी चौकी प्रभारी चौहान और दो जवान साथ थे तभी झगड़ते लोगों को देख चौकी प्रभारी द्वारा उन्हें समझाने का प्रयास करते की एकाएक उन लोगों ने चौहान पर हमला बोल दिया जिससे उनके सीर में चोट आई थी । एवं जवानों के साथ भी बदमाशो ने झुमाझटकी की **एक आरोपी को पुलिस ने रात में ही धरदबोचा था** चोट आने से घायल चौहान को स्वास्थ केन्द्र ले जाया गया जहा उनका प्राथमिक उपचार कर बड़वानी रेफर किया गया घटना के तुरंत बाद विष्णु परिहार नामक आरोपी ने डेहरी चौकी प्रभारी जगदीश चौहान पर पत्थर फेंक कर वार किया था । जिससे उनके सर में चोट आई थी । अन्य आरोपियों ने भी जवानों के साथ हाथापाई की । हमले के बाद आरोपी भागने लगे, लेकीन एक बाइक गिरने से आरोपी विष्णु को। उसी समय पकड़ लिया गया था । अन्य साथी फरार हो गये थे मगर पुलिस भी कहा आरोपियों को छोड़ने वाली थी पुलिस ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए चार आरोपियों को सुबह होते होते धरदबोचा इस तरह पांच आरोपीयों को तुरंत गिरफ्तार करने में पुलिस सफल हो गयी अभी एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है । मामले पर कमर कसकर अपनी टिम के साथ बाग थाना प्रभारी कैलाश चौहान मुस्तेदी से डटे रहै उनके द्वारा बताया गया की पांच आरोपियों को गिरफतार कर लिया है गिरफ्तार आरोपीयों में विष्णु परिहार,राहुल बघेल, जितेन्द्र जर्मन,मुकेश और कान्हा शामिल थे । ये सभी मनावर थाने के ग्राम बनेड़िया निवासी हैं । तथा एक आरोपी राहुल अभी भी फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है । सभी आरोपियों के विरुद्ध पुलिस थाना बाग पर अपराध क्रमांक 31/2025 धारा 296,115(2)132,121(1)191 (2)190,221,224,351, बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया था । विवेचना के दौरान श्रीमान पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल पर हुए हमले के आरोपियों को शिघ्र गिरफ्तार करने हेतु आदेशित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इन्द्रजीत बाकलवार एसडीओपी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में निरिक्षक कैलाश चौहान बाग थाना प्रभारी बाग के नेतृत्व में त्वरित कार्यवाही हेतु टीम गठीत कर आरोपियों को पकड़ा साथ ही डेहरी चोकी पर से शुक्रवार को अभी गिरफ्तार आरोपियों का नगर में कान पकड़ाकर जुलूस निकाला गया ताकी दुसरा कोई पुलिस बल पर हमला करने से पहले लाख बार सोचे । उक्त सराहनिय कार्य में थाना प्रभारी केलाश चौहान,सउनि दशरथ सिंह चौहान,आर,शहादर चौगढ़,राजू,लालसिंह,सीताराम डोडवे मुकेश गणपत एवं कलमसिह का विशेष योगदान रहा ।

थाना चिमनगंज मण्डी पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत 12 वर्ष पुर्व गुम हुई नाबालिक बालिका को दस्तयाब कर किया परिजनों के सुपुर्द।

उज्जैन पुलिस अधीक्षक जिला उज्जैन के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) नितेश भार्गव जिला उज्जैन, नगर पुलिस अधीक्षक अनुभाग जीवाजीगंज सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में महिला सुरक्षा हेतु सतत चेकिंग, आसामाजिक तत्वों, महिला व बालिकाओ के साथ हो रहे अत्याचार व अपराध के विरुद्ध कार्यवाही हेतु अभियान चलाकर बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु ऑपरेशन मुस्कान चलाया जा रहा है घटना का विवरण - इसी तारतम्य में थाना चिमनगंज मण्डी पर दिनांक 15.11.2013 को फरियादी द्वारा अपनी नाबालिक बालिका को किसी अज्ञात आरोपी द्वारा बहला फुसला कर ले जाने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी । रिपोर्ट पर से थाना चिमनगंज मण्डी पर अप क्र 676/2013 धारा 363,366 भादवि का पंजीबद्ध किया गया ।

पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही - अपराध महिला सबंधी होकर गंभीर प्रवृति का होने से वरिष्ठ अधिकारीयो के निर्देशन में थाना प्रभारी द्वारा पुलिस टीम का गठन कर सायबर सेल की मदद से दिनांक 14.02.2025 को अपहर्ता को शंकरपुर, शिवम् नगर, पंचकुआ मस्जिद के पास, थाना पंवासा से दस्तयाब किया गया तथा आरोपी भैरु उर्फ रोहित पिता लालजी चौहान उम्र 32 वर्ष निवासी बजरंग नगर पंवासा उज्जैन को गिरफ्तार किया गया है । अपहर्ता का स्वास्थ्य परिक्षण कराकर आरोपी को न्यायालय पेश किया, आरोपी का केन्द्रीय जेल भैरुगढ़ का जेल वारंट होने से केन्द्रीय जेल भैरुगढ मे दाखिल कराया गया ।

सराहनीय भूमिका - इस सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक हितेश पाटिल, सउनि दिनेश भाट, प्र.आर. शेखर हरियाला, आर. हुकुम खाण्डेगर, सैनिक चंदन सिह ।

संयुक्त संचालक एस.के. कुमरे का कड़ा संदेश - टैक्स चोरी रुकेगी या कारोबार बंद होगा!

ग्वालियर- ग्वालियर-चंबल संभाग में अवैध परिवहन और मंडी टैक्स चोरी पर सख्त शिकंजा कसते हुए मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड ग्वालियर के संयुक्त संचालक सुरेंद्र कुमार कुमरे ने बड़ा संदेश दिया है - अब टैक्स चोरी रुकेगी या कारोबार बंद होगा!

20 जनवरी 2025 को पदभार संभालते ही श्री कुमरे ने इस गड़बड़ी को खत्म करने के लिए मोर्चा संभाला और महज 20 दिनों में 10 लाख 40 हजार 504 रुपए की राजस्व वसूली कर सरकारी खजाने को मजबूत किया। उनके नेतृत्व में गठित उड़नदस्ता दल ने लगातार कार्रवाई कर ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों की अवैध गतिविधियों पर नकेल कस दी, जिससे टैक्स चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है।

कुमरे का ऐलान - अब कोई बच नहीं पाएगा! संयुक्त संचालक सुरेंद्र कुमार कुमरे ने साफ कर दिया है कि अवैध परिवहन और टैक्स चोरी में लिप्त किसी भी ट्रांसपोर्टर या व्यापारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, ग्वालियर-चंबल संभाग में लंबे समय से मंडी टैक्स चोरी का खेल चल रहा था। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। जो ट्रांसपोर्टर और व्यापारी नियमों का पालन नहीं करेंगे, उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन ने अब इस गड़बड़ी को खत्म करने की ठान ली है।

कार्रवाई के आगे झुके बड़े-बड़े ट्रांसपोर्टर संभाग के प्रमुख मंडी क्षेत्रों पिछोर, करेरा, मगरोनी, गुना, सेवड़ा, लश्कर और मुरैना में मूंगफली, गेहूं, मटर, धान और सरसों जैसी कृषि उपज के अवैध परिवहन पर जोरदार कार्रवाई हुई। इन इलाकों में बड़े-बड़े ट्रांसपोर्टर, जो पहले मंडी अधिकारियों को धमकाते थे, अब पुलिस और प्रशासन के डर से झुकने को मजबूर हो गए हैं।

मारपीट करने वाले ट्रांसपोर्टरों की उलटी गिनती शुरू! संयुक्त संचालक कुमरे ने उस घटना का भी जिक्र किया, जिसमें टैक्स चोरी रोकने पर एक कर्मचारी पर जानलेवा हमला किया गया था। अब ऐसे असामाजिक तत्वों पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी पूरी कर ली गई है। हमारे कर्मचारियों को धमकाने और उन पर हमला करने वाले अब कानून से बच नहीं पाएंगे। ग्वालियर-चंबल संभाग में किसी को भी टैक्स चोरी और अवैध धंधा नहीं करने दिया जाएगा।- सुरेंद्र कुमार कुमरे

उड़नदस्ता दल की धमाकेदार कार्रवाई श्री कुमरे के नेतृत्व में गठित उड़नदस्ता दल में शामिल विनोद गुप्ता, दिग्विजय सिंह भदौरिया, पंकज तोमर, अनिल दोहरे, सतेंद्र सिंह जादौन, विक्रम जाटव आदि ने फील्ड में रहकर सख्त कार्रवाई की।इस दौरान कई ट्रांसपोर्टरों को भारी भरकम जुर्माने भरने पड़े और मंडी फीस की लाखों की वसूली की गई। इतना ही नहीं, पहली बार ऐसा हुआ कि अवैध परिवहन करने वालों से जुर्माने के अलावा अन्य आर्थिक नुकसान भी उठाने पड़े।

बौखलाए ट्रांसपोर्टर दे रहे धमकियां, लेकिन प्रशासन डटा हुआ है!सूत्रों के अनुसार, कई ट्रांसपोर्टर अब उड़नदस्ता दल को धमकियां दे रहे हैं और फर्जी शिकायतें कर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन श्री कुमरे ने साफ कर दिया है कि ऐसी धमकियों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

हम फील्ड में हैं और रहेंगे। ग्वालियर-चंबल संभाग को अवैध परिवहन और टैक्स चोरी से मुक्त करना हमारा लक्ष्य है। धमकियां देने वाले कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।- सुरेंद्र कुमार कुमरे

अब आगे क्या? संयुक्त संचालक कुमरे ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज होगा। ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों की पूरी निगरानी की जा रही है। यदि कोई टैक्स चोरी या अवैध परिवहन में लिप्त पाया गया, तो उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अब ग्वालियर-चंबल में मंडी टैक्स चोरी नहीं चलेगी! श्री कुमरे के नेतृत्व में मंडी प्रशासन ने जो साहसिक कदम उठाया है, वह न केवल ग्वालियर-चंबल संभाग बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के लिए एक मिसाल बन चुका है। अब टैक्स चोरी करने वालों के पास या तो नियमों का पालन करने का विकल्प बचा है या फिर कानूनी कार्रवाई का सामना करने का।

उमंग सिंघार ने सौरभ शर्मा मामले में गोविंद राजपूत को घेरा

भोपाल - मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरटीओ के करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियो की ईडी रिमांड के बीच मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को घेरा। उन्होंने सौरभ शर्मा को लेकर कई सवाल उठाए। यह भी कहा कि सरकार सौरभ को बचाने कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सौरभ के घर से मिले दस्तावेजों की जांच होनी चाहिए। सौरभ मामले पर प्रेस कांफ्रेंस करके गोविंद राजपूत की भूमिका पर ऊँगली उठाई। सिंघार ने कहा कि दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में गोविंद राजपूत ने जमीन की ख़रीदी की। एक ही इलाके में कई ख़ास और बिजनस पार्टनर ने जमीनों की ख़रीद की है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सहारा की जमीन कम कीमत में खरीदी गई। कमलेश बघेल के नाम दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में संपत्ति की खरीदी की। उमंग सिंघार ने खरीदी संपत्ति की दस्तावेज की रजिस्ट्री भी दिखाई। उन्होंने यह सवाल भी किया कि क्या सिंधिया जी ने गोविंद राजपूत को क्लीन चिट देकर रखी है। यदि सरकार ने निष्पक्ष जांच नहीं कराई, तो हम न्यायालय में जाएंगे। सौरभ शर्मा तो सबसे छोटी मछली है। उन्होंने यह भी कहा कि श्यामला हिल्स में सौरभ शर्मा के रुकने की व्यवस्था एक मंत्री ने कराई। सिंघार ने यह भी कहा कि 40 दिन फरारी के दौरान वह कहां रहा, किसने उसकी मदद की इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई। यह सच सामने आना चाहिए। सौरभ शर्मा की कॉल डिटेल भी अभी तक सार्वजनिक नहीं हुई। कॉल डिटेल सामने आने के बाद कई अधिकारी और नेता बेनकाब होंगे। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि परिवहन विभाग से एक केंद्रीय मंत्री को हर महीने 2 करोड़ रुपए जाते थे।

सिंघार ने कहा कि जो जानकारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को लेकर सामने लाई, उसमें करीब 1250 करोड़ रुपए की अनुपातहीन संपत्ति का ब्योरा है। इसके रिकॉर्ड उनके पास हैं। सरकार को इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। उमंग सिंघार बोले कि मंत्री गोविंद राजपूत ने पूरे रैकेट को संभाल रखा था। दशरथ पटेल और अलीम खान रिटायर होने के बावजूद भ्रष्टाचार करते रहे। उनके अलावा संजय ढांडे, संजय श्रीवास्तव ने गोविंद राजपूत के साथ मिलकर घोटाला किया। सिंघार ने कहा कि एक साल में करीब डेढ़ हजार करोड़ की कमाई होती थी। हर महीने डेढ़ सौ करोड़ की कमाई की जाती थी। इसी से मंत्री गोविंद राजपूत ने साल 2019 से 2024 के बीच कई जमीनें खरीदीं। पत्नी और बच्चों के नाम 400 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी भी खरीदी गई। उन्होंने यह भी कहा कि 200 करोड़ जमीनें अपनी सास और रिश्तदारों के नाम ख़रीदी। 2023 में गोविंद राजपूत ने 134 करोड़ की संपत्ति का ब्यौरा शपथ पत्र में नहीं दिया। ज्ञान वीर समिति के नाम जमीन दान कराने का आरोप लगाते हुए उमंग सिंघार ने कहा कि मंत्री राजपूत ज्ञान वीर समिति के नाम पर जमीनें दान करा रहे हैं।

दमोह वन डिपो में मिली युवक की लाश, चाकू मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

दमोह। जबलपुर नाका चौकी क्षेत्र स्थित वन डिपो (सिविल वार्ड-2) में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जगदीश विश्वकर्मा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि चाकू मारकर उसकी हत्या की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर कोतवाली थाना प्रभारी आनंद राज, बांदकपुर चौकी प्रभारी बीएस हजारी, जबलपुर नाका चौकी प्रभारी आनंद कुमार, प्रधान आरक्षक सचिन, जितेंद्र, घासीराम, महफूज सहित अन्य पुलिस कर्मी पहुंचे।

वरिष्ठ अधिकारी कर रहे जांच हत्या के इस मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संदीप मिश्रा, टीआई मनीष कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। साथ ही एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) प्रभारी रूबी चौहान ने भी घटनास्थल पर जांच की।

हत्या के कारणों की पड़ताल में जुटी पुलिस पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है। फिलहाल, हत्या किन कारणों से हुई और इसमें कौन-कौन शामिल है, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा।

नर्मदा नदी से अवैध शराब गुजरात ओर गौवंश की महाराष्ट्र में हो रही तस्करी

मुख्यमंत्री ने नर्मदा नदी के किनारे सभी धार्मिक शहरों में शराब और मांस की दुकानें बंद करने और इनके सेवन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दे रखे

अलीराजपुर- अलीराजपुर जिले से लगी गुजरात राज्य जहां शराब बंदी लागू है वहा सड़क मार्ग से हो रही करोड़ों की तस्करी जिसको रोकने के लिए ओर कड़ी कार्यवाही के निर्देश प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव ने दिए है जिसका आंशिक असर अलीराजपुर जिले में विगत दो दिनों में देखने को मिला जब आबकारी ओर पुलिस विभाग ने अवैध शराब परिवहन की तीन गाड़ियों सहित लाखो की शराब पकड़ी है। जिले में पुलिस अधीक्षक राकेश व्यास जिनकी एक ईमानदार और सख्त कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में पहचान है और श्री व्यास हर वक्त अपराध के प्रति सजग रहते हुए गंभीरता से अपराधियों तक पहुंचने का माद्दा रखते है और कई बड़े बड़े अपराधों का खुलासा भी किया है। जिले की हर चौकी और थाना मुस्तैदी से कर्तव्य निर्वहन करने में लगा है जिसके चलते अपराधों के ग्राफ में कमी आई तो वहीं अवैध शराब माफियाओं में खासकर गौवंश तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस की सख्ती के कारण धार ओर अन्य जिलों और राज्यों से लाई जा रही अवैध शराब को गुजरात राज्य ओर अलीराजपुर जिले में खपाने के लिए कुछ सड़क मार्ग के साथ साथ अब अधिकतर नर्मदा नदी ओर उसके पास के ग्रामीण रास्तों का उपयोग करने लगे है। अवैध शराब परिवहन करने ओर गुजरात राज्य में शराब भेजने वाले ओर महाराष्ट्र राज्य में कत्ल खानों में कटने के लिए गाय बैल इत्यादि को निसरपुर डूब क्षेत्र वाले रोड से नर्मदा नदी के किनारे ग्रामीण क्षेत्रों में लेकर जाते है । गाय बैल इत्यादि जानवरों की तस्करी वाले रात के अंधेरे में नदी मार्ग से वोट के सहारे जानवरों को महाराष्ट्र की सीमा में प्रवेश करवाते है। राजघाट और अन्य जगहों से अवैध शराब नदी मार्ग से वोट के जरिए अलीराजपुर जिले की सीमा में लाई जाकर संसाधनों के जरिए गुजरात ओर अलीराजपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में

सप्लाय कर रहे है। धार इत्यादि जिलों और अन्य राज्यों से परिवहन कर लाई जा रही अवैध शराब निसरपुर डूब क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्रों से होकर अलीराजपुर जिले के छकतला बखतगढ़ ककराना में लाई जाकर यहां से वाहनों के माध्यम से गुजरात में निकासी की जाती है। बड़वानी जिले के राजघाट के पास पूरे नर्मदा तटों पर साधु संत अपने आश्रमों में रहते हैं और भागवत नाम लेते हैं लेकिन शराबी तत्वों के द्वारा आए दिन शराब पीकर वाहन पर जाकर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। उन्हें हैरान परेशान किया जाता है साधु संत अपनी आवाज शासन प्रशासन तक पहुंचा रहा है कि उनकी सुरक्षा भी की जाए और अवैध शराब ओर गौवंश की महाराष्ट्र हो रही तस्करी को रोका जाए

आपको बतादे की मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार (14 सितंबर, 2024) को अधिकारियों को राज्य भर में नर्मदा नदी के किनारे सभी धार्मिक शहरों में शराब और मांस की दुकानें बंद करने और इनके सेवन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया यह निर्णय नदी की स्वच्छता और इसके प्रवाह को बरकरार रखने के लिए विकास कार्य योजना की देखरेख के लिए गठित कैबिनेट समिति की बैठक में लिया गया। श्री यादव ने बैठक की अध्यक्षता की थी। मध्य प्रदेश के अमरकंटक से निकलने वाली नर्मदा नदी को हिंदुओं द्वारा एक पवित्र नदी माना जाता है और इसके मार्ग में कई प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि सरकार के सभी विभाग समन्वित तरीके से काम करेंगे और माँ नर्मदा के स्वरूप और पवित्रता को बनाए रखेंगे। हमारा प्रयास धार्मिक नगरों के आसपास मांस और मदिरा पर प्रतिबंध लगाने का होगा। उन्होंने कहा कि नदी की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दिन में पहले एक वीडियो संदेश में कहा, यह एक दिन की प्रक्रिया नहीं है; यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सैटेलाइट इमेजरी और ड्रोन के माध्यम से नर्मदा के आसपास की गतिविधियों की निगरानी करें। आज शनिवार 15 फरवरी को हमारे प्रतिनिधि ने नर्मदा किनारे रह रहे साधु संत से चर्चा की तो जानकारी में एक नई बात सामने आई है कि नर्मदा मैया के जल पर नावों और वोटो के द्वारा गोवंश और शराब की तस्करी की जा रही है उसे भी रोका जाए क्योंकि रात के अंधेरे में असामाजिक तत्वों के द्वारा इस प्रकार से अंधाधुन तस्करी की जा रही है और नर्मदा के तटीय क्षेत्रों में गांव-गांव पर उतर कर गोवंश को काटने के लिए महाराष्ट्र पहुंचा जा रहा है और महाराष्ट्र और एमपी की दारू नर्मदा के माध्यम से छोटे-छोटे गांव में पहुंचाई जा रही है यह काफी चिंतनीय बात है कि प्रशासन रोड पर तो सख्त है लेकिन नर्मदा की ओर किसी का ध्यान नहीं है प्रशासन को चाहिए की नर्मदा की जलधारा में जो नाव और बड़ी-बड़ी वोटो में दारू और गोवंश का अवैध परिवहन हो रहा है उसे रोका जाए जिससे कि गोवंश को बचाए। इसी को आधार लेकर हमारे द्वारा समाचार तैयार किया जाकर शासन प्रशासन को संज्ञान में लाया जा रहा है कि नर्मदा नदी से हो रही शराब ओर गौवंश की अवैध रूप से तस्करी करने वाले तस्करों ओर शराब माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों को आदेशित निर्देशित कर नर्मदा नदी मार्ग से हो रही अवैध तस्करी पर अंकुश लगाए।

नई आबकारी नीति 2025 लागू मध्यप्रदेश में शराब बिक्री में होंगे कई बदलाव, 19 जगह ठेकों पर लगेंगे 1 अप्रैल से ताले

दुकानों से होने वाली आय की भरपाई के लिए सरकार ने संबंधित जिलों की अन्य शराब दुकानों के लाइसेंस शुल्क में 25% तक की वृद्धि की है।

भोपाल- मध्य प्रदेश सरकार ने 19 पवित्र शहरों और गांवों में शराब दुकानों को 1 अप्रैल से बंद करने का निर्णय लिया है। इन दुकानों से होने वाली आय की भरपाई के लिए सरकार ने संबंधित जिलों की अन्य शराब दुकानों के लाइसेंस शुल्क में 25% तक की वृद्धि की है। साथ ही, आबकारी विभाग ने शराब की बिक्री के लिए पॉइंट ऑफ सेल मशीनों के उपयोग को अनिवार्य कर दिया है।

रेस्तरां और कमर्शियल आयोजनों के लिए नए प्रावधान रेस्तरां में ओपन एरिया में शराब बेचने के लिए फ्लोर एरिया बढ़ाने की अनुमति दी गई है।

कमर्शियल आयोजनों के लिए लाइसेंस शुल्क व्यक्तियों की संख्या के आधार पर तय किया गया है।

500 व्यक्तियों के लिए: 25,000 रुपए

1,000 व्यक्तियों के लिए: 50,000 रुपए

2,000 व्यक्तियों के लिए: 75,000 रुपए

5,000 व्यक्तियों के लिए: 1 लाख रुपए

5,000 से अधिक व्यक्तियों के लिए- 2 लाख रुपए

ई-बैंक गारंटी की अनिवार्यता 1 अप्रैल से लागू होने वाली नई आबकारी नीति के तहत शराब दुकानों के लिए लाइसेंस लेने वाले ठेकेदारों को केवल ई-बैंक गारंटी ही प्रदान की जाएगी। इसकी वैधता 30 अप्रैल 2026 तक होगी। एफडी को अब स्वीकार नहीं किया जाएगा और पहले से जमा एफडी का नवीनीकरण भी नहीं होगा। ई-बैंक गारंटी का उपयोग केवल संबंधित ठेके के लिए ही किया जा सकेगा।

पवित्र शहरों और गांवों के लिए विशेष प्रावधान बंद की जाने वाली शराब दुकानों के वार्षिक मूल्य की भरपाई के लिए नए फॉर्मूले के तहत शेष दुकानों के रिजर्व मूल्य की गणना की जाएगी। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी दुकान का वार्षिक मूल्य 10 करोड़ रुपए है, तो 20त्न वृद्धि करके उसका अंतरिम रिजर्व

मूल्य 14.50 करोड़ रुपए होगा।

दुकानों को शिफ्ट नहीं किया जाएगा 13 नगरीय निकायों और 6 ग्राम पंचायतों में शराब दुकानों का संचालन 1 अप्रैल से बंद कर दिया जाएगा।

इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के बार और वाइन आउटलेट के लाइसेंस 1 अप्रैल 2025 से नहीं दिए जाएंगे।

इन दुकानों को कहीं और शिफ्ट भी नहीं किया जाएगा।

POS मशीन और एक्साइज लेवल की अनिवार्यता सभी शराब दुकानों पर POS मशीन लगाना अनिवार्य होगा। शराब की बोतल पर लगे एक्साइज एडहेसिव लेवल को स्कैन करके ही बिलिंग और बिक्री की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर पहली बार 25,000 रुपए और उसके बाद हर जांच में 5,000 रुपए प्रति केस के हिसाब से जुर्माना लगाया जाएगा।

ओपन एरिया में शराब बेचने का दायरा बढ़ा रेस्तरां बार लाइसेंस धारक अब अपने डाइनिंग एरिया के अलावा एक्स्ट्रा फ्लोर और खुली छत पर भी शराब बेच सकेंगे। एक्स्ट्रा फ्लोर के लिए 500 वर्गफीट का एरिया और 10त्न अतिरिक्त लाइसेंस शुल्क देना होगा।

इन स्थानों पर बंद होंगी शराब दुकानें

उज्जैन नगर निगम ओंकारेश्वर नगर पंचायत
महेश्वर नगर पंचायत
मंडलेश्वर नगर पंचायत
ओरछा नगर पंचायत
मैहर नगर पालिका
चित्रकूट नगर पंचायत
दतिया नगर पालिका
पन्ना नगर पालिका
मंडला नगर पालिका
मुलताई नगर पालिका
मंदसौर नगर पालिका
अमरकंटक नगर पंचायत
सलकनपुर ग्राम पंचायत
बरमान कला ग्राम पंचायत
लिंगा ग्राम पंचायत
बरमान खुर्द ग्राम पंचायत
कुंडलपुर ग्राम पंचायत
बांदकपुर ग्राम पंचायत

दमोह पुलिस ने तीन अवैध हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में हथियार बरामद किए

दमोह पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन में, 14 फरवरी 2025 को थाना कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन अवैध हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई थाना प्रभारी कोतवाली आनंद राज और थाना प्रभारी दमोह देहात मनीष कुमार के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन व्यक्ति कलेक्टर बंगला के पीछे जटाशंकर कॉलोनी में अवैध हथियार बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर छापा मारा और तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से हथियार बरामद गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम हैं- * मोहित पिता मूलचंद पटैल (उम्र 20 वर्ष) * सत्यम पिता जगदीश पटैल (उम्र 20 वर्ष) * हेमंत पिता नरेन्द्र पटैल (उम्र 29 वर्ष) आरोपियों के कब्जे से 02 देशी पिस्टल 32 बोर की, 02 कारतूस 32 बोर के, 02 देशी कट्टे 315 बोर के, 02 देशी कट्टे 12 बोर के और एक 12 बोर का कारतूस बरामद किया गया है। बरामद किए गए हथियारों की कीमत लगभग 60 हजार रुपए है।

आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज आरोपियों के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट एवं 111(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्हें 15 फरवरी 2025 को न्यायालय दमोह में पेश किया जाएगा।

संथारा साधक समाज रत्न हसमुखलाल वागरेचा की प्रथम पुण्य स्मृति में मेगा शिविर

16 फरवरी को मेघनगर में निशुल्क मेगा शिविर होगा आयोजित

देश के 36 ख्यातिनाम चिकित्सक शिविर में उपस्थित होकर करेंगे उपचार

3000 ओ.पी.डी का लक्ष्य संभावना,150 का पैरामेडिकल स्टाफ एवं 200 वॉलिंटियर देंगे सेवाएं

मेघनगर *पहला सुख निरोगी काया नारे को साक्षात्कार करते हुए.मेघनगर वागरेचा परिवार द्वारा संथारा साधक समाज रत्न हसमुखलाल वागरेचा की प्रथम पुण्य स्मृति के अवसर पर 16 फरवरी रविवार को स्थान महावीर भवन मेघनगर में मेगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजित होने जा रहा है. इस शिविर में देश के सुप्रसिद्ध एपिक हॉस्पिटल अहमदाबाद के ख्यातिनाम चिकित्सक डॉ. अनिल जैन जिन्होंने 42 हजार से अधिक हार्ड की सफल सर्जरी अभी तक कर चुके हैं वे स्वयं अपनी 36 से अधिक मल्टी सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम के साथ मेघनगर मेगा स्वास्थ्य शिविर में अपनी सेवाएं देंगे। इस शिविर में गुजरात राजस्थान मध्य प्रदेश के साथ महाराष्ट्र के मरीज भी उपचार हेतु शिविर में उपस्थित होंगे।आपको बता दे पूर्व के दिनों में 12 व 13 फरवरी को 1500 मरीजों की निशुल्क स्कैनिंग एवं जांच रिपोर्ट तैयार कर फाइल बन चुकी है। 16 फरवरी को 3 हजार ओ.पी.डी के लक्ष्य के साथ सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक शिविर में बीमारी का निशुल्क उपचार व दवाई वितरण होगा.*

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 36 डॉक्टर के केबिन निर्मित *मेघनगर संजय,पंकज एवं निलेश वागरेचा परिवार मेगा शिविर में सहयोगी संस्था रोटरी क्लब अपना ,वैश्य महासम्मेलन ,समस्त पत्रकार संघ, सकल श्री जैनसंघ,दी जोईट्स ग्रुप डायमंड ग्रुप व शासन प्रशासन के साथ मिलकर शिविर की व्यवस्थाओं को लेकर कोई भी कसर बाकी नहीं छोड़ रहा. 150 से अधिक पैरामेडिकल स्टाफ, 200 समाजसेवी वॉलिंटियर,नवीन एवं पुराने 2 पंजीयन काउंटर पुरानी जांच फाइल काउंटर, 2 सेंटर नि:शुल्क मेडिकल सेंटर,4 पूछताछ सूचना केंद्र,अल्पाहार एवं भोजनालय केंद्र 5 वेटिंग एरिया, 36 डॉक्टर के केबिन सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त महावीर भवन मेघनगर को सूचित किया गया है इसके अलावा यातायात व्यवस्था में दशहरा मैदान 4 पहिया वाहन पार्किंग, ऑईल मिल एरिया 2 पहिया वाहन पार्किंग,, बस स्टैंड रेक पॉइंट मालगोदाम के समीप पार्किंग की व्यवस्था रखी गई है। वागरेचा परिवार मेघनगर एवं सहयोगी संस्था इस मेगा शिविर में सुपर मल्टी उपचार निदान एवं निशुल्क स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील स्पेशलिस्ट डॉक्टर के द्वारा दवाई वितरण में सभी को करता है!*

ट्रेस हुई आरोपी की लोकेशन

कनाडा में इतिहास की सबसे बड़ी गोल्ड चोरी का मास्टरमाइंड भारत में !

कनाडा के इतिहास की सबसे बड़ी सोने की चोरी के मुख्य आरोपी सिमरन प्रीत पनेसर को भारत में ट्रैक किया गया है। 32 वर्षीय पनेसर, जो कनाडा में 20 मिलियन (करीब 166 करोड़ रुपए) मूल्य के सोने और विदेशी मुद्रा की चोरी के मामले में वांछित है, फिलहाल चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में रह रहा है। द इंडियन एक्सप्रेस और कनाडा के *CBC News: The Fifth Estate* की संयुक्त जांच में यह खुलासा हुआ कि पनेसर अपनी पत्नी प्रीति पनेसर और परिवार के साथ एक किराए के मकान में रह रहा है।

अप्रैल 2023 में 6,600 सोने की बार (कुल 400 किलोग्राम शुद्ध सोना) और 2.5 मिलियन मूल्य की विदेशी मुद्रा चोरी हो गई थी। यह सोना ज्यूरिख से आई फ्लाइट के जरिए टोरंटो के पियरसन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल पर पहुंचा था और कुछ ही घंटों बाद यह रहस्यमयी तरीके से गायब हो गया। इस चोरी को अंजाम देने वालों में पनेसर मुख्य आरोपी है। सिमरन प्रीत पनेसर एयर कनाडा का पूर्व मैनेजर था।

जब चोरी हुई वह ब्रह्मटन, ओंटारियो में रह रहा था।

चोरी की जांच के दौरान उस पर संदेह हुआ, जिसके बाद वह फरार हो गया।

कनाडा से भागकर वह भारत आ गया और अब चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में रह रहा है।

कैसे भागा सिमरन प्रीत पनेसर?

चोरी के समय पनेसर एयर कनाडा में कार्यरत था और उसने खुद पुलिस को कार्गो एरिया का दौरा करवाया था। बाद में पुलिस को पनेसर पर शक हुआ, लेकिन तब तक वह कनाडा छोड़कर फरार हो गया। जून 2024 में खबर आई कि वह आत्मसमर्पण करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कनाडा की पील रीजनल पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए प्रोजेक्ट 24 कैरट नाम से ऑपरेशन शुरू किया। इस ऑपरेशन में 20 अधिकारियों ने 1 साल तक 28,096 घंटे और 9,500 ओवरटाइम घंटे काम किया।

पुलिस ने चोरी में 9 आरोपियों को नामजद किया है, जिनमें पनेसर भी शामिल है। इस केस में **एयर कनाडा का एक और कर्मचारी, परम्पाल सिद्धू भी संदेह के घेरे में है।

'द इंडियन एक्सप्रेस' की टीम जब पनेसर के घर पहुंची, तो उसने कानूनी कारणों का हवाला देते हुए कोई भी आधिकारिक बयान देने से इनकार कर दिया। सके पड़ोसियों को भी उसकी सच्चाई का पूरा पता नहीं है। भारत और कनाडा के बीच प्रत्यर्पण संधि कानून है, लेकिन पनेसर की गिरफ्तारी आसान नहीं होगी।

जयशंकर की अमेरिकी सीनेटर को चुनौती

बोले- भारत 80 करोड़ लोगों को भोजन उपलब्ध कराने में समर्थ

इंटरनेशनल डेस्क. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक अमेरिकी सीनेटर को चुनौती देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक भारत 80 करोड़ लोगों को भोजन उपलब्ध कराने में समर्थ है। दरअसल, अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लोटकिन ने कहा कि लोकतंत्र 'मेज पर भोजन नहीं परोसता है, लेकिन उनके इस बयान पर जयशंकर ने कहा कि भारत में ऐसा होता है। जयशंकर जाहिर तौर पर म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक पैनल चर्चा में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का जिक्र कर रहे थे, जहां उन्होंने सीनेटर एलिसा स्लोटकिन के बयान पर यह जवाब दिया। जयशंकर ने कहा, ''सीनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं रखता है। वास्तव में ... दुनिया के मेरे हिस्से में, यह (लोकतंत्र) ऐसा करता है।

आज, हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं और हम 80 करोड़ लोगों को पोषण सहायता और भोजन उपलब्ध कराते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक समाज है, इसलिए यह 80 करोड़ लोगों को पोषण सहायता और भोजन उपलब्ध कराने में समर्थ है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) में शुक्रवार को 'एक और दिन वोट करने के लिए जियें- लोकतांत्रिक लचीलेपन को मजबूत करना विषय पर आयोजित पैनल चर्चा के दौरान जयशंकर ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने स्वस्थ हैं और उनका पेट कितना भरा हुआ है। इसलिए, मैं यह कहना चाहता हूं कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग तरह की बातचीत हो रही है। कृपया यह न समझें कि यह एक तरह की सार्वभौमिक घटना है, ऐसा नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा कि कुछ हिस्से ऐसे हैं, जहां यह अच्छी तरह से काम कर रहा है, लेकिन हो सकता है कि कुछ हिस्से ऐसे हों जहां यह ठीक से काम न कर रहा हो। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि लोगों को इस बारे में ईमानदारी से बातचीत करनी चाहिए कि ऐसा क्यों नहीं हो रहा है। केंद्र सरकार एक जनवरी, 2023 से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दो प्रकार के लाभार्थियों को पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है और फिर इसे एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। दिसंबर 2024 तक के सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 80.67 करोड़ लोगों को दो श्रेणियों में मुफ्त खाद्यान्न मिलता है। अंत्योदय अन्न योजना के हर परिवार को प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त मिलता है और प्राथमिकता वाले परिवारों (पीएचएच) के लाभार्थियों के मामले में हर व्यक्ति को प्रति माह पांच किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न मिलता है। मंत्री ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''एमएससी-2025 की शुरुआत 'एक और दिन वोट करने के लिए जियें- लोकतांत्रिक लचीलापन मजबूत करना विषय पर पैनल चर्चा से हुई। इसमें प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर, एलिसा स्लोटकिन और त्रजास्कोव्स्की भी शामिल हुए। भारत को एक प्रभावी लोकतंत्र के रूप में रेखांकित किया। मौजूदा राजनीतिक निराशावाद के प्रति असहमति जताई। विदेशी हस्तक्षेप पर अपने विचार रखे। जयशंकर के अलावा, पैनल में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर, अमेरिकी सीनेटर स्लॉटकिन और वारसॉ के महापौर रफाल त्रजास्कोव्स्की शामिल हुए।

भारत, पाकिस्तान-बांग्लादेश में मचेगी भारी तबाही ! मंडरा रहा बड़ा खतरा

इंटरनेशनल डेस्क. करीब 7 साल बाद, 2032 में पृथ्वी पर एक बड़ा खगोलीय संकट आ सकता है। वैज्ञानिकों की मानें तो एक विशाल उल्कापिंड YRy पृथ्वी से टकरा सकता है, जिससे कई देशों में भारी तबाही मचने की आशंका है। अंतरिक्ष एजेंसियां इस संभावित खतरे से निपटने के लिए पहले से ही रणनीति तैयार करने में जुटी हुई हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा से लेकर चीन तक इस संकट को लेकर गंभीर है, यहां तक कि चीन ने एक विशेष सुरक्षा बल भी गठित करना शुरू कर दिया है। इस उल्कापिंड का आधिकारिक नाम 2024 YRy है, जिसे पहली बार 27 दिसंबर 2024 को चिली के रियो हुर्तादो स्थित एक निगरानी स्टेशन ने खोजा था। यह अपोलो-टाइप का उल्कापिंड है, जिसका मतलब है कि यह पृथ्वी की कक्षा को पार करने वाली वस्तुओं में शामिल है। जब एस्टरॉयड टेरिस्ट्रियल इंपैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम ने इस खतरे की चेतावनी जारी की, तो दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद नासा और अन्य एजेंसियों ने YRy को पृथ्वी के लिए सबसे खतरनाक अंतरिक्षीय वस्तुओं की सूची में सबसे ऊपर रख दिया।

कितना गंभीर है YRy का खतरा

वर्तमान में, YRy उल्कापिंड पृथ्वी से 6.5 करोड़ किलोमीटर दूर है, लेकिन यह तेज गति से आगे बढ़ रहा है। जेम्स वेब टेलीस्कोप से इस पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि इसकी कक्षा में होने वाले बदलावों को ट्रैक किया जा सके। मार्च 2025 तक यह जेम्स वेब टेलीस्कोप की पहुंच में रहेगा। अप्रैल 2025 के अंत तक यह इतना दूर चला जाएगा कि इसे ट्रैक करना लगभग असंभव हो जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार जून 2028 तक YRy को ट्रैक नहीं किया जा सकेगा यानी करीब 38 महीने तक इसका सटीक आकलन करना मुश्किल होगा। यह उल्कापिंड मुख्य रूप से चट्टानों से बना है, इसमें लोहे या भारी धातुओं के संकेत नहीं मिले हैं, इसलिए पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के दौरान इसके टुकड़े-टुकड़े होने की संभावना भी जताई जा रही है। अगर यह उल्कापिंड पृथ्वी से टकराता है, तो गुरुत्वाकर्षण बल के कारण इसकी गति बढ़ जाएगी। वैज्ञानिकों के अनुसा YRy पृथ्वी से 17 किमी/सेकंड की रफ्तार से टकरा सकता है। 130 फीट चौड़ी सतह के साथ टकराने पर यह एक बड़े विस्फोट की तरह होगा, लेकिन बहुत यादा तबाही नहीं होगी। 300 फीट चौड़ी सतह के साथ टकराने पर यह पूरे एक शहर को खत्म करने की क्षमता रखता है। यदि यह समुद्र में गिरा तो भारी सुनामी आ सकती है। इसकी ऊर्जा 80 लाख टन TNT के बराबर हो सकती है, जो हिरोशिमा बम से 500 गुना अधिक शक्तिशाली होगी। 50 किलोमीटर तक के क्षेत्र में भारी तबाही मच सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, YRy के पृथ्वी से टकराने की संभावना 2.3% है, यानी 97% संभावना है कि यह पृथ्वी के पास से गुजर जाएगा। लेकिन अगर यह टकराता है, तो जिन क्षेत्रों पर इसका सबसे यादा असर पड़ सकता है, उनमें दक्षिण एशियाई देश भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफ्रीका, इथियोपिया, सूडान, नाइजीरिया, दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला, कोलंबिया, इक्वाडोर और महासागर क्षेत्र में अरब सागर, प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर शामिल हैं। नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी पहले से ही इस खतरे से निपटने की योजना बना रहे हैं। नासा 2022 में सफलतापूर्वक DART मिशन कर चुका है, जिसमें एक अंतरिक्ष यान को उल्कापिंड से टकराकर उसकी दिशा बदल दी गई थी। वैज्ञानिक 2028 के बाद सटीक डेटा मिलने पर YRy को हटाने के लिए उसी तकनीक का उपयोग कर सकते हैं।

चीन बना रहा प्लैनेटरी डिफेंस फोर्स

चीन इस खतरे को गंभीरता से ले रहा है और प्लैनेटरी डिफेंस फोर्स बनाने की योजना पर काम कर रहा है। चीन के स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन SASTIND ने 35 वर्ष से कम उम्र के एयरोस्पेस इंजीनियरों की भर्ती शुरू कर दी है। चीन 2027 में एक और उल्कापिंड 2015 XF261 को नष्ट करने की योजना बना रहा है।

अगर आप भी नहीं होना चाहते जल्दी बूढ़े तो मत खाएं ये 7 चीजें

नेशनल डेस्क. आपकी रोजमर्रा की खाने-पीने की आदतें आपके शरीर और त्वचा पर गहरा असर डाल सकती हैं। कुछ चीजें न केवल सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि ये आपकी त्वचा पर झुर्रियां और ढीलापन ला सकती हैं, जिससे आप अपनी असल उम्र से कहीं ज्यादा बड़े दिखने लग सकते हैं। अगर आप हमेशा जवां और फिट दिखना चाहते हैं, तो इन चीजों से दूरी बनाना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं इन 7 चीजों के बारे में... ज्यादा मीठा खाने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है, जो डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इसके अलावा मीठा खाने से आपकी त्वचा की कोमलता भी कम हो जाती है और चेहरे पर झुर्रियां जल्दी दिखने लगती हैं। इसलिए मीठे का सेवन सीमित करना जरूरी है। कॉफी में कैफीन की उच्च मात्रा होती है, जो शरीर को डीहाइड्रेट कर सकती है। इससे त्वचा में नमी की कमी हो जाती है और त्वचा रूखी और बेजान दिखने लगती है। लंबे समय तक ज्यादा कॉफी पीने से उम्र बढ़ने के लक्षण भी जल्दी नजर आने लगते हैं। सॉसेज, सलामी और हॉट डॉग जैसे प्रोसेस्ड मीट में प्रिजर्वेटिव्स और हाई सोडियम की मात्रा होती है, जो त्वचा की इलास्टिसिटी को कम कर देती है। इससे चेहरे पर समय से पहले उम्र के निशान दिखने लगते हैं। शराब पीने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है और लिवर पर अधिक दबाव पड़ता है। इससे त्वचा की प्राकृतिक चमक चली जाती है और उम्र बढ़ने के संकेत, जैसे झुर्रियां और ढीली त्वचा, जल्दी नजर आने लगते हैं। इसलिए शराब का सेवन कम करें या पूरी तरह से छोड़ें। सोडा और अन्य शीतल पेय में अत्यधिक चीनी और हानिकारक केमिकल्स होते हैं। इसका नियमित सेवन त्वचा के अंदर से कमजोर करने लगता है, जिससे झुर्रियां, दाग-धब्बे और अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं जल्दी नजर आने लगती हैं। तला हुआ खाना आपकी त्वचा के लिए बेहद नुकसानदायक होता है।

सफाई कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, सरकार ने मानदेय में बढ़ोतरी का दिया तोहफा

नेशनल डेस्क. हरियाणा सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के मानदेय में 1 हजार रुपए की बढ़ोतरी की है, जिससे अब उन्हें 15 हजार की बजाय 16 हजार रुपए प्रति माह मिलेंगे। विकास एवं पंचायत विभाग ने इस संबंध में सभी जिला उपायुक्तों, सीईओ जिला परिषद, डीडीपीओ और बीडीपीओ को आदेश जारी कर दिए हैं।

सफाई कर्मचारियों ने फैसले को बताया मजाक

हालांकि, सरकार के इस फैसले से सफाई कर्मचारियों में असंतोष है। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा के राज्य प्रधान देवीराम ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 24 नवंबर को जींद में हुई रैली में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का मानदेय 26 हजार रुपये और शहरी सफाई कर्मचारियों का 27 हजार रुपए करने की घोषणा की थी। लेकिन अब सिर्फ 1 हजार रुपये की बढ़ोतरी कर सरकार ने कर्मचारियों के साथ मजाक किया है।

विरोध-प्रदर्शन की तैयारी

सरकार के इस फैसले के विरोध में सफाई कर्मचारी 1 से 3 मार्च तक सभी बीजेपी विधायकों, मंत्रियों और जिलों में लघु सचिवालयों पर प्रदर्शन करेंगे। नपा कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने बताया कि नाराज सफाई कर्मचारी शनिवार और रविवार को सीएम कैंप हाउस, कुरुक्षेत्र में प्रदर्शन करेंगे और मुख्यमंत्री नायब सैनी को उनके वादे की याद दिलाएंगे।

अमेरिका के 10000 सरकारी कर्मचारी नौकरी से निकाले, कहा-फालतू बोझ कम किया

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका में सरकारी नौकरियों से हो रही छंटनी इन दिनों चर्चा का मुख्य विषय बनी हुई है। विभिन्न विभागों में कार्यरत हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। इस बार जमीन प्रबंधन और पूर्व सैनिकों की देखभाल से जुड़े कर्मचारियों पर अधिक असर पड़ा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर छंटनी कर रही है। शुक्रवार को करीब 9500 से अधिक सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप और उनके सलाहकार एलॉन मस्क के

नेतृत्व में सरकारी नौकरशाही को कम करने का अभियान तेजी से चल रहा है। छंटनी किए गए कर्मचारियों में अधिकतर वे लोग शामिल हैं जो भूमि प्रबंधन और पूर्व सैनिकों की देखभाल से जुड़े कार्यों में थे। ट्रंप प्रशासन के इस कदम से गृह, ऊर्जा, पूर्व सैनिक मामलों, कृषि, स्वास्थ्य और ह्यूमन सर्विस डिपार्टमेंट के कर्मचारी सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इनमें से सबसे ज्यादा वे कर्मचारी निकाले गए हैं, जो प्रोबेशनरी वर्कर थे। ऐसे कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा कम होती है, जिसका फायदा उठाकर सरकार ने छंटनी को अंजाम दिया। सरकार के ह्यूमन रिसोर्स डिपार्टमेंट ने करीब 2 लाख प्रोबेशनरी कर्मचारियों की छंटनी की सिफारिश की थी। इसके बाद, गुरुवार से कई विभागों में छंटनी शुरू कर दी गई। इसके अलावा, कंज्यूमर फाइनेंशियल प्रोटेक्शन ब्यूरो जैसी कई एजेंसियों को लगभग बंद कर दिया गया है। फिक्स्ड-टर्म कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे कर्मचारी भी इस फैसले से प्रभावित हुए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगले हफ्ते इंटरनल रेवेन्यू सर्विस (इरूक्र) से भी हजारों कर्मचारियों की छंटनी की संभावना है। राष्ट्रपति ट्रंप और एलॉन मस्क ने कर्मचारियों को स्वैच्छिक रिटायरमेंट का भी विकल्प दिया था। व्हाइट हाउस के अनुसार अब तक 75,000 सरकारी कर्मचारी स्वेच्छा से रिटायर हो चुके हैं जो कुल 23 लाख सरकारी कर्मचारियों का करीब 3 प्रतिशत है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि सरकारी विभागों में फालतू खर्च और धोखाधड़ी के कारण भारी मात्रा में पैसा बर्बाद हो रहा है। वर्तमान में संघीय सरकार पर 36 ट्रिलियन (36 लाख करोड़ डॉलर) का कर्ज है और पिछले साल अमेरिका को 1.8 ट्रिलियन का

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569